राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,गुरुवार , 21 मई 2026

वर्ष 14,अंक 42, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........

9511151254

महिलाओं से बोले राहुल गांधी, वोट चोरी, महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा...03

'रहमान' बनी 'राम' गली....आखिर पाकिस्तान क्यों बदल रहा लाहौर की सड़कों के नाम?...04

ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में नया खुलासा, सामने आई ऑटोप्सी रिपोर्ट, शरीर पर कई चोटों के निशान मिले

इस महीने की शुरुआत में भोपाल में मृत पाई गई 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि उनकी मौत का कारण 'फांसी लगाकर आत्महत्या' (antemortem hanging by ligature) था। रिपोर्ट में उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर चोट के कई निशान भी दर्ज किए गए हैं, जो किसी ठोस चीज़ से लगी चोटों (blunt force injuries) के कारण हुए थे। AIIMS भोपाल के फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग में की गई ऑटोप्सी में बताया गया है कि 12 मई को रात करीब 10:26 बजे ट्विशा अपने घर की छत पर एक जिमनास्टिक रिंग की रस्सी से लटकी हुई मिली थीं। 13 मई को आधी रात के कुछ ही समय बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, उनके गले के ऊपरी हिस्से के चारों ओर तिरछा बना हुआ, दोहरी लाल धारियों वाला एक निशान (ligature mark) पाया गया। निशान के नीचे की त्वचा को सूखा, कठोर और 'चर्मपत्र जैसा' (parchmentized) बताया गया है, जबकि गले के पिछले हिस्से पर यह निशान अधूरा था। रिपोर्ट में दम घुटने (asphy&ia) से जुड़े कई लक्षण भी दर्ज किए गए हैं, जिनमें चेहरे पर रक्त जमाव (facial congestion), कानों और नाखूनों का नीला पड़ना, और दाहिनी आंख में छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं का फटना (petechial haemorrhages) शामिल है। गले पर मिले निशानों के अलावा, ऑटोप्सी में शरीर के अन्य हिस्सों पर भी मौत से पहले लगी कई चोटें दर्ज की गई हैं। इनमें गले के बाईं ओर खरोंचें; बाईं ऊपरी बांह, बाईं कलाई, दाहिनी कलाई और दाहिनी अनामिका (ring finger) पर चोट के निशान; और सिर के बाईं ओर (frontoparietal region) त्वचा के नीचे 2 सेमी × 2 सेमी का एक और चोट का निशान शामिल है। आंतरिक जांच के दौरान, डॉक्टरों को गले के निशान के नीचे के ऊतकों (tissues) में चोट के दो छोटे धब्बे मिले। फेफड़ों में 'टार्डियू के धब्बे' (Tardieu's spots) दिखाई दिए, जो आमतौर पर दम घुटने की स्थिति में पाए जाते हैं। मस्तिष्क, फेफड़ों और पेट की परत में भी रक्त जमाव (congestion) पाया गया। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि गर्भाशय बढ़ा हुआ था और उसमें लाल-भूरे रंग का नरम ऊतक (friable tissue) मौजूद था, जिससे पता चलता है कि उसमें डेसीडुआ ऊतक (decidual tissue) रह गया था। इसमें यह भी बताया गया कि उसकी मौत से एक हफ़्ता पहले ही उसका मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ़ प्रेग्नेंसी (MTP) करवाया गया था। मेडिकल बोर्ड ने यह निष्कर्ष निकाला कि हालाँकि मौत की वजह फांसी लगाना थी, लेकिन शरीर पर मौजूद दूसरी चोटें किसी कुंद चीज़ से लगी सामान्य चोटें लग रही थीं, जो मौत से पहले लगी थीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि खून, अंदरूनी अंग (viscera), नाखून के टुकड़े और बालों के सैंपल सुरक्षित रख लिए गए हैं और उन्हें टॉक्सिकोलॉजी और DNA जाँच के लिए फ़ॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) में भेज दिया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उसने कोई नशा तो नहीं किया था और आगे की जाँच में मदद मिल सके। इस बीच, पुलिस ने बताया कि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) और स्थानीय टीमें इस मामले में आरोपी को पकड़ने की कोशिशें लगातार कर रही हैं। ANI से बात करते हुए, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस रजनीश कश्यप कौल ने कहा, 'लुकआउट नोटिस के संबंध में, DCP कार्यालय, भोपाल कमिश्नरेट और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के साथ ज़रूरी बातचीत शुरू कर दी गई है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी SIT टीम, स्थानीय टीमों के साथ मिलकर, पूरी सक्रियता से काम कर रही है। हम तकनीकी माध्यमों और मानवीय स्रोतों, दोनों से जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। DCP ने इनाम की घोषणा भी की है।' पुलिस ने इससे पहले इस मामले के मुख्य आरोपी समर्थ सिंह की गिरफ़्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 10,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। इस मामले में तब एक नया मोड़ आया, जब ट्विशा की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह ने यह आरोप लगाया कि अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चलने के बाद मृतका का बर्ताव काफ़ी बदल गया था और उन्होंने दावा किया कि ट्विशा ही प्रेग्नेंसी को खत्म करवाने की ज़िद कर रही थी। सिंह ने बताया, '17 तारीख को, जिस पल उसे अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि हुई, उसका पूरा बर्ताव ही बदल गया, उसने साफ़ कह दिया कि वह इस बच्चे को नहीं रखना चाहती।' उन्होंने आगे बताया कि बाद में ट्विशा ने MTP करवा लिया था। उन्होंने आगे यह भी दावा किया कि प्रेग्नेंसी खत्म होने के बाद उनका बेटा समर्थ सिंह भावनात्मक रूप से काफ़ी परेशान था और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि परिवार के ख़िलाफ़ चल रहे इस मामले में कोई दम नहीं है। हालांकि, ट्विशा के पिता, नव निधि शर्मा ने इन आरोपों को सिरे से ख़ारिज कर दिया और गिरिबाला सिंह पर यह आरोप लगाया कि अग्रिम ज़मानत पर बाहर होने के बावजूद वह उनकी बेटी के चरित्र को सरेआम बदनाम कर रही हैं। शर्मा ने आरोप लगाया, 'यह महिला फ़िलहाल अग्रिम ज़मानत पर बाहर है, और वह अपनी ज़मानत की शर्तों का उल्लंघन कर रही है। वह मीडिया के सामने आकर और इस तरह से मृतका के चरित्र को सरेआम बदनाम करके क़ानून तोड़ रही है।' उन्होंने तुरंत दूसरा पोस्टमॉर्टम करवाने की भी मांग की और सुप्रीम कोर्ट या भारत के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में एक स्वतंत्र जांच की मांग की। नोएडा की रहने वाली ट्विशा शर्मा ने दिसंबर 2025 में भोपाल के रहने वाले समर्थ सिंह से शादी की थी। उनके परिवार ने ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इस मामले की जांच के लिए एक SIT का गठन किया है।

CM रेखा गुप्ता की बड़ी पहल, दिल्ली की 96 हजार स्ट्रीट लाइटें होंगी स्मार्ट LED में तब्दील, सड़कों पर खत्म होंगे डार्क स्पॉट

दिल्ली की सड़कें अब अत्याधुनिक स्मार्ट LED रोशनी से जगमगाती नजर आएंगी. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित व्यय वित्त समिति (EFC) की हाइब्रिड बैठक में दिल्ली की सभी स्ट्रीट लाइटों को स्मार्ट LED प्रणाली से बदलने की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी गई. लगभग 473.24 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत लोक निर्माण विभाग (PWD) की सड़कों पर लगी करीब 96 हजार स्ट्रीट लाइटों को चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा. सरकार का लक्ष्य है कि आगामी दीवाली तक दिल्ली की प्रमुख सड़कें नई स्मार्ट रोशनी से चमक उठें. इस हाइब्रिड बैठक में दिल्ली के PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. यह परियोजना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा बजट 2026-27 में की गई उस घोषणा का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को ऊर्जा कुशल स्मार्ट स्ध्रष्ठ प्रणाली में बदलने की घोषणा की थी.

96 हजार स्ट्रीट लाइटें होंगी स्मार्ट LED

वर्तमान में पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर लगभग 45 हजार पुरानी एचपीएसवी (हाई प्रेशर सोडियम वेपोर) लाइटें और 51 हजार एचपीएसवी LED लाइटें लगी हुई हैं. कुल मिलाकर करीब 96 हजार लाइटें और 51,160 पोल इस नेटवर्क का हिस्सा हैं. इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि मौजूदा व्यवस्था में कई गंभीर समस्याएं सामने आ रही थीं. स्ट्रीट लाइटों की वास्तविक समय में निगरानी की सुविधा नहीं होने के कारण खराब लाइटों की जानकारी केवल शिकायत मिलने के बाद ही हो पाती थी. कई स्थानों पर लंबे समय तक डार्क स्पॉट बने रहते थे. सड़कों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से सड़क सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा प्रभावित होती थी. इसके अलावा अलग-अलग प्रकार की लाइटों के कारण प्रकाश की गुणवत्ता में असमानता, अधिक बिजली खपत और प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी सामने आ रही थीं.

केंद्रीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होगा

उन्होंने बताया कि नई स्मार्ट LED प्रणाली इन समस्याओं का व्यापक समाधान देगी. परियोजना के तहत सभी एचपीएसवी लाइटों और पुरानी LED लाइटों को स्मार्ट एलईडी लाइटों में बदला जाएगा. साथ ही भविष्य की जरूरतों और छूटे हुए स्थानों को ध्यान में रखते हुए 5 हजार अतिरिक्त पोल लगाने का भी प्रावधान किया गया है. नई व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता इसका केंद्रीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (सीसीसी) होगा. इसके माध्यम से प्रत्येक स्ट्रीट लाइट की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकेगी. किसी भी लाइट के खराब होने की जानकारी तुरंत मिल जाएगी और उसे दूर से नियंत्रित भी किया जा सकेगा. आवश्यकता पड़ने पर रोशनी की तीव्रता को 90 प्रतिशत तक कम या अधिक करने की क्षमता भी इस प्रणाली में होगी. इससे बिजली की बचत के साथ बेहतर प्रबंधन संभव होगा. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि वित्तीय दृष्टि से यह परियोजना दीर्घकालिक बचत का माध्यम बनेगी. LED प्रणाली लागू होने के बाद हर वर्ष लगभग 25 करोड़ रुपये की बिजली बचत होगी. पांच वर्षों की अवधि में वर्तमान व्यवस्था की तुलना में बिजली खर्च में भारी कमी आएगी.

दिल्ली की सड़कें डार्क स्पॉट मुक्त होंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का मानना है कि इस परियोजना से दिल्ली की सड़कें डार्क स्पॉट मुक्त होंगी, महिलाओं की सुरक्षा मजबूत होगी, सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और राजधानी को आधुनिक, सुरक्षित तथा ऊर्जा दक्ष प्रकाश व्यवस्था मिलेगी. उन्होंने दोहराया कि इस परियोजना को दीवाली तक पूरा कर लिया जाएगा ताकि इस पर्व पर पूरी दिल्ली जगमगाती नजर आए. बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सुझाव दिया कि चूंकि यह योजना दिल्ली सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए इसका विशेष नामकरण भी किया जाए. उनके इस सुझाव पर मुख्यमंत्री ने भी सहमति जताई.

संक्षिप्त ख़बरें

टुंडे कबाब, बाजपेयी कचौड़ी और इदरीस बिरयानी नवाबों के शहर में 'स्वाद' हुआ महंगा, देख लें रेट लिस्ट

नवाबों के शहर लखनऊ में अब स्वाद का मजा लेना पहले से महंगा हो गया है. शहर के मशहूर फूड आउटलेट्स ने अपने लोकप्रिय व्यंजनों की कीमतों में 5 से 10 रुपए तक की बढ़ोतरी कर दी है. कच्चे माल, तेल, गैस, मसाले और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है.

टुंडे कबाबी में कबाब के दाम बढ़े

लखनऊ के प्रतिष्ठित टुंडे कबाबी ने भी अपने मशहूर कबाबों के दाम बढ़ा दिए हैं. दुकान की नई रेट लिस्ट के अनुसार, 30 रुपए में मिलने वाला कबाब अब 40 रुपए का हो गया है. वहीं पांच रुपए वाला कबाब अब 10 रुपए में मिलेगा. संचालक का कहना है कि तेल, गैस और कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लेना पड़ा.

बाजपेयी की कचौड़ी और भटूरे भी महंगे

बाजपेयी कचौड़ी भंडार में भी कीमतों में बढ़ोतरी की गई है. पहले 40 रुपए में मिलने वाली कचौड़ी की प्लेट अब 50 रुपए में मिलेगी. भटूरे की कीमत 50 रुपए से बढ़ाकर 60 रुपये कर दी गई है. खस्ता कचौड़ी की प्लेट पर भी 10 रुपए की बढ़ोतरी की गई है.

इदरीस बिरयानी अगले महीने से बढ़ाएगा दाम

इदरीस बिरयानी के मालिक ने बताया कि ईद, बकरीद और मोहर्रम के कारण फिलहाल दाम नहीं बढ़ाए गए हैं, लेकिन अगले महीने से नई कीमतें लागू होंगी. उन्होंने कहा कि लकड़ी, कोयला, मसाले, तेल, घी, दूध, चावल, आटा और मैदा सभी महंगे हो चुके हैं. वर्तमान में हाफ प्लेट बिरयानी 220 रुपए और फुल प्लेट 440 रुपए में उपलब्ध है.

पोहा और ढोकला भी हुआ महंगा

लखनऊ में इंदौर का पोहा और गुजरात का ढोकला परोसने वाले कई लोकप्रिय फूड स्टॉल्स ने भी अपने उत्पादों की कीमतों में 5 से 10 रुपए तक की बढ़ोतरी की है. बता दें कि महंगाई का असर अब सीधे लोगों की पसंदीदा डिशों पर दिखाई दे रहा है. लखनऊ के जायकों का स्वाद बरकरार है, लेकिन अब इसके लिए जेब थोड़ी और ढीली करनी पड़ेगी.

बिहार में JDU के भीतर घमासान, आनंद मोहन ने खोला मोर्चा, लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार की राजनीति में जदयू के भीतर घमासान मचा हुआ है.शुरुआत सीतामढ़ी में पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जेडीयू और नीतीश कुमार पर हमला बोलकर किया था.आनंद मोहन ने मंत्री बनाने में पैसों के खेल का आरोप लगाते हुए कहा कि जो थैली पहुंचाएंगे वही मंत्री बन जाएंगे. इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भी बड़ा बयान दिया और कहा कि नीतीश कुमार को जिंदा रहते ही इन लोगों ने दफन कर दिया. अब इस बयान के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है. नीतीश कुमार के कुर्सी छोड़ते ही उनकी पार्टी और खुद उनके ऊपर भी सियासी हमले शुरू हो गए हैं. सम्राट मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यह घमासान और तेज हो गया है.दरअसल आनंद मोहन और उनकी सांसद पत्नी ने अपने जदयू के विधायक बेटे को मंत्री बनाने की पुरजोर कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए उसके बाद से ही आनंद मोहन नीतीश और जदयू के कुछ अन्य नेताओं पर हमलावर हैं. इसके अलावे शिवहर, जहां से आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद सांसद हैं, वहीं से आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उन्हें औरंगाबाद के नवीनगर भेजकर वहां से श्वेता गुप्ता को चुनाव लड़ाया गया और अब उन्हें मंत्री बना दिया गया है. अब आनंद मोहन परिवार को लग रहा है कि शिवहर कहीं उनके हाथ से ना निकल जाए.

मंत्री पद और टिकट विवाद... JDU में अंदरूनी कलह तेज

सीतामढ़ी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद आनंद मोहन ने मंच से ऐसा बयान दिया, जिसने बिहार की सियासत में हलचल बढ़ा दी. आनंद मोहन ने सीधे तौर पर सत्ता और संगठन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब मंत्री बनने के लिए योग्यता नहीं बल्कि थैली चल रही है, जो थैली पहुंचाएंगे वही मंत्री बन जाएंगे. आनंद मोहन यहीं नहीं रुके. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक स्थिति को लेकर भी बड़ा बयान दे दिया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को जिंदा रहते ही इन लोगों ने दफन कर दिया. इस बयान को जेडीयू के अंदर बढ़ती नाराजगी और सत्ता के अंदरूनी संघर्ष से जोड़कर देखा जा रहा है. मंत्री लेसी सिंह का बयान आनंद मोहन के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहां कि हमारे नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं. लोगों से मैं कह देना चाहती हूं कि नीतीश कुमार के साथ पूरा बिहार खड़ा है. नीतीश कुमार हमारे नेता हैं. उनका सक्षम नेतृत्व है. उनके नेतृत्व उनके निर्णय को सब लोग मानते हैं. उन पर चलते हैं.

आनंद मोहन के आरोपों से सियासत में भूचाल

उन्होंने कहा कि जिस बयान का जिक्र कर रहे हैं. उस पर आप अपने नेतृत्व और साक्षमता पर सवाल खड़े कर रहे हैं. हमारे नेता को चुनौती दे रहे हैं. पूरे दुनिया में किसी के पास कोई ताकत नहीं है, जो हमारे नेता को जिंदा दफन कर दें. हमारे नेता के नेतृत्व में पार्टी के एक-एक नेता एक-एक कार्यकर्ता उनके निर्णय को मानते हैं. पूर्व सांसद बाहुबली नेता आनंद मोहन के बयान को लेकर जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि वह हमारे पार्टी में नहीं हैं. उनका परिवार भले ही जदयू पार्टी में है, लेकिन आनंद मोहन नहीं है. जदयू नेता ने कहा कि अगर नीतीश कुमार नहीं होते तो शायद आनंद मोहन आज जेल से बाहर भी नहीं होते. उनकी पत्नी को जेडीयू ने सांसद बनाया. बेटा को विधायक बनाया. अब अगर कोई अपेक्षा रखते हैं और इस तरीके के पार्टी को कटघरे में खड़ा करके बयान देते हैं तो यह बिल्कुल गलत है. इधर इन बयानबाजियों ने विपक्ष को भी बोलने का मौका दे दिया है. राजद प्रवक्ता भाई वीरेंद्र ने कहा कि अब जदयू जल्द ही टूटने वाली है.

राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाकर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बुधवार को पलटवार करते हुए उन पर ''भारत से घृणा करने'' और मोदी के नेतृत्व में देश को मिले ''वैश्विक सम्मान'' को बर्दाश्त नहीं कर पाने का आरोप लगाया। गोयल की यह टिप्पणी तब आई है, जब राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि देश में ''आर्थिक तूफान'' मंडरा रहा है, जबकि प्रधानमंत्री ''इटली में टॉफिया बांटने में व्यस्त हैं।''इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मोदी उन्हें टॉफी का पैकेट भेंट करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद राहुल ने 'एक्स' पर लिखा, ''आर्थिक तूफान सिर पर है और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं, प्रधानमंत्री हंसकर रील बना रहे हैं और भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं।''

गोयल ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल को भारत की हर उपलब्धि पर आपत्ति है और मोदी के नेतृत्व में देश को मिल रही वैश्विक मान्यता उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रही है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राहुल गांधी को भारत और 'मेड इन इंडिया' उत्पादों से इतनी घृणा क्यों है?'' केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि 'मेड इन इंडिया' और 'लोकल गोज ग्लोबल' जैसी पहल के माध्यम से देश दुनिया के ''विश्वसनीय गंतव्य'' के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, ''देश वैश्विक स्तर पर जिस सम्मान, निवेश और विश्वास का दशकों से इंतजार कर रहा था, उसे भारत अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अर्जित कर रहा है। यही बात राहुल गांधी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।'' मेलोनी ने टॉफी भेंट करने के लिए मोदी का आभार जताया। इस हल्के-फुल्के पल ने दोनों नेताओं से जुड़े लोकप्रिय शब्द 'मेलोडी' को सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में ला दिया। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, ''प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैं- मेलोडी।'' उन्होंने लिखा, ''इस उपहार के लिए आपको धन्यवाद।''

5 दिनों तक संजय सिंह की यात्रा का कैसा असर? पश्चिमी UP में गूंजा रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो का नारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेरठ से 16 मई 2026 को शुरू हुई रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो पदयात्रा 20 मई को गाजियाबाद के अंबेडकर पार्क में ऐतिहासिक जनसमर्थन के साथ समापन हो गया. आम आदमी पार्टी ने कहा कि पांच दिनों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सड़कों पर जो दृश्य दिखाई दिये, उसने साफ कर दिया कि जनता अब सिर्फ भाषण नहीं, जवाब मांग रही है. युवाओं के हाथों में डिग्रियां थीं, लेकिन नौकरी नहीं. किसानों के चेहरों पर मेहनत थी, लेकिन सम्मान नहीं. शिक्षामित्र, आशा बहनें, कर्मचारी, छोटे व्यापारी और गरीब परिवार सब एक ही सवाल पूछते दिखे, आखिर आम आदमी कब तक संघर्ष करता रहेगा और सत्ता में बैठे लोग सिर्फ वादे करते रहेंगे? पदयात्रा में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह हर कदम पर जनता के बीच दिखाई दिए. ना सत्ता का अहंकार, ना सुरक्षा का दिखावा, ना मंच से दूर खड़े होकर राजनीति. गांव-गांव, गली-गली जाकर उन्होंने लोगों की बातें सुनीं, युवाओं का दर्द महसूस किया और भरोसा दिलाया कि उनकी लड़ाई संसद से सड़क तक लड़ी जाएगी.

दिल्ली और पंजाब मॉडल की चर्चा

पार्टी का कहना है कि आप ने दिल्ली और पंजाब में जो मॉडल दिया, उसकी चर्चा भी इस यात्रा में हर जगह सुनाई दी. लोगों ने कहा कि अगर सरकारी स्कूल सुधर सकते हैं, अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिल सकता है, बिजली-पानी में राहत मिल सकती है और भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हो सकती है, तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं? जनता अब तुलना कर रही है. उसे बड़े-बड़े नारों से ज्यादा जमीन पर काम दिख रहा है. यही कारण है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की इस पदयात्रा ने एक नई राजनीतिक बहस खड़ी कर दी है.

यात्रा में युवाओं के भविष्य, किसानों पर चर्चा

पार्टी का कहना है कि 2027 का विधानसभा चुनाव अब सिर्फ राजनीतिक दलों की लड़ाई नहीं रहेगा, बल्कि यह युवाओं के भविष्य, किसानों के सम्मान, महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक न्याय की लड़ाई बनने जा रहा है. जनता अब जाति और धर्म के पुराने खेल से बाहर निकलकर अपने बच्चों के भविष्य की बात कर रही है. उसे रोजगार चाहिए, अच्छी शिक्षा चाहिए, इलाज चाहिए और ऐसा सिस्टम चाहिए जिसमें गरीब आदमी को भी सम्मान मिले.

पेट्रोल में बड़ा बदलाव करने जा रही सरकार? अब 30% तक इथेनॉल मिलाने की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश में बढ़ती ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल में 30 फीसदी तक इथेनॉल मिलाने के मानकों को अधिसूचित कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) की नई अधिसूचना ने संकेत दिया है कि सरकार अब E20 से आगे बढ़कर ज्यादा इथेनॉल मिश्रित ईंधन की दिशा में कदम बढ़ा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक BIS ने E22, E25, E27 और E30 जैसे नए ईंधन मिश्रणों के लिए मानक तय किए हैं। इसका मतलब है कि पेट्रोल में क्रमशः 22%, 25%, 27% और 30% तक इथेनॉल मिलाया जा सकेगा। हालांकि फिलहाल यह केवल तकनीकी मानकों की अधिसूचना है, इसे पूरे देश में तुरंत लागू नहीं किया गया है। दरअसल, ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव और होरमुज़ जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। दुनिया की करीब 20 फीसदी तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। ऐसे में सरकार तेल आयात पर निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल उत्पादन और उसके इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।सरकार पिछले कुछ वर्षों से E20 ईंधन को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, इसके साथ पुरानी गाड़ियों के इंजन, माइलेज और मेंटेनेंस लागत को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। लेकिन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री Hardeep Singh Puri ने दावा किया था कि श्व20 लागू होने के बाद इंजन खराब होने का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने ब्राज़ील का उदाहरण देते हुए कहा था कि वहां वर्षों से श्व27 ईंधन का इस्तेमाल बिना किसी दिक्कत के हो रहा है।उधर, ऑटोमोबाइल और बायोफ्यूल इंडस्ट्री लंबे समय से ज्यादा इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधनों को बढ़ावा देने की मांग कर रही है। Maruti Suzuki के चेयरमैन R. C. Bhargava ने कहा कि अगर सरकार इसे अनिवार्य बनाती है तो कंपनी इसके लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि विशेषज्ञों ने चेतावनी भी दी है कि श्व20 से आगे बढ़ने के लिए देश को ईंधन उपलब्धता, वाहनों की तकनीकी क्षमता और वितरण व्यवस्था को मजबूत करना होगा। अलग-अलग राज्यों की जलवायु और सड़क परिस्थितियों को देखते हुए यह बदलाव आसान नहीं माना जा रहा है। इसके अलावा, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा और बढ़ाना चाहता है, तो चीनी निर्यात पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि इथेनॉल उत्पादन के लिए बड़ी मात्रा में गन्ने और चीनी की जरूरत पड़ेगी।

बेजुबान पक्षी और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम

आज के आधुनिक युग में वैश्विक स्तर पर शहरीकरण अत्यंत तीव्र गति से बढ़ रहा है। इस प्रगति के साथ ही दुनिया भर के महानगर और शहर एक अत्यंत विकराल समस्या से जूझ रहे हैं, और वह समस्या है कचरा प्रबंधन की। हमारे शहरों की चमचमाती सड़कों, सार्वजनिक पार्कों और गलियों में बिखरा हुआ कचरा न केवल दृश्य प्रदूषण फैलाता है बल्कि पर्यावरण के लिए भी एक गंभीर संकट बन चुका है। इस कचरे में सबसे अधिक मात्रा कृत्रिम पदार्थों, खाने के पैकेटों और विशेष रूप से धूम्रपान के बाद बचे हुए सिगरेट के टुकड़ों की होती है। ये छोटे छोटे टुकड़े देखने में भले ही मामूली लगें, लेकिन इनकी संख्या और इनसे होने वाला नुकसान अत्यधिक होता है। नगर प्रशासनों के लिए इन सूक्ष्म अवशेषों को साफ करना एक अत्यंत जटिल और खर्चीला कार्य साबित होता है। हर साल स्थानीय निकायों और नगर निगमों को सड़कों के कोनों और नालियों में फंसे इस कचरे को हटाने के लिए अपने वित्तीय कोष का एक बहुत बड़ा हिस्सा पानी की तरह बहाना पड़ता है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी रहती है क्योंकि मनुष्यों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी वैश्विक समस्या का एक अत्यंत अनोखा और नवोन्मेषी समाधान खोजने का प्रयास यूरोपीय देश स्वीडन में किया गया, जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस अद्भुत प्रयोग की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें सफाई के कार्य के लिए इंसानों की जगह बेजुबान पक्षियों, विशेष रूप से कौवों को प्रशिक्षित किया गया था।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम के समीप स्थित सोडरटालिये नामक एक खूबसूरत शहर में इस क्रांतिकारी विचार को धरातल पर उतारने की शुरुआत हुई। वहां के एक नवोदित उद्यम ने पशु व्यवहार विज्ञान का उपयोग करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की एक अनूठी योजना तैयार की। इस संस्थान के दूरदर्शी संस्थापक क्रिश्चियन गुंथर हैनसेन ने कई वर्ष पहले इस विषय पर गहन विचार किया था। उनका मानना था कि यदि प्रकृति में मौजूद जीवों की स्वाभाविक बुद्धिमत्ता और उनकी क्षमताओं का सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो वे मानवीय समाज की कई बड़ी समस्याओं के समाधान में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। अपने इसी अनूठे विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए उन्होंने एक विशेष परियोजना की रूपरेखा तैयार की। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शहर की सड़कों पर बिखरे धूम्रपान के अवशेषों को एकत्रित करना था। उन्होंने इस कार्य के लिए किसी यांत्रिक साधनों या मानवीय श्रम पर निर्भर रहने के बजाय आकाश में उड़ने वाले और हमारे आस पास रहने वाले कौवों को अपना सहयोगी बनाने का निर्णय लिया, जो शहरी परिवेश में बेहद आसानी से ढल जाते हैं।

इस संपूर्ण योजना को क्रियान्वित करने के लिए संस्थान द्वारा एक अत्यंत विशिष्ट स्वचालित यंत्र का निर्माण किया गया। यह उपकरण एक विशेष प्रकार की पुरस्कार प्रणाली पर आधारित था। इस यंत्र की कार्यप्रणाली को इस प्रकार से तैयार किया गया था कि जैसे ही कोई कौवा सड़क या पार्क से सिगरेट का कोई टुकड़ा अपनी चोंच में उठाकर लाता और उसे उस यंत्र के निर्धारित स्थान पर डालता, वैसे ही वह स्वचालित उपकरण सक्रिय हो जाता था। वह यंत्र तुरंत ही उस टुकड़े के बदले में कौवे के लिए, खाने की कोई सामग्री, जैसे कि मूंगफली या अनाज का छोटा दाना बाहर निकाल देता था। इस प्रकार कौवों को अपनी मेहनत के बदले तुरंत स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने लगा। धीरे धीरे कौवों ने इस पूरी प्रक्रिया के पीछे के कार्य कारण संबंध को समझ लिया। वे यह जान गए कि इस विशिष्ट यंत्र में कचरा डालने पर उन्हें अपनी भूख मिटाने के लिए, भोजन प्राप्त होगा। कुछ ही समय के भीतर कौवों का व्यवहार पूरी तरह से बदल गया और वे सक्रिय रूप से सड़कों, उद्यानों, फुटपाथों और छिपे हुए कोनों से सिगरेट के अवशेषों को खोज खोज कर उस स्वचालित उपकरण में डालने लगे। यह दृश्य अत्यंत विस्मयकारी था कि पक्षी स्वेच्छा से नगर की सफाई में योगदान दे रहे थे।

वैज्ञानिकों और पक्षी विशेषज्ञों का हमेशा से यह मानना रहा है कि कौवे इस पृथ्वी पर पाए जाने वाले सबसे चतुर और बुद्धिमान पक्षियों की श्रेणी में आते हैं। उनकी मानसिक क्षमता और संज्ञानात्मक कौशल अत्यंत उच्च स्तर के होते हैं। कौवों में मनुष्यों के चेहरों को पहचानने, उन्हें याद रखने और जटिल परिस्थितियों में विभिन्न प्रकार के औजारों का उपयोग करने की अद्भुत क्षमता होती है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए विभिन्न शोधों के अनुसार, कौवों की किसी भी समस्या को समझने और उसका समाधान खोजने की तार्किक क्षमता मनुष्यों के 3 से 4 वर्ष के छोटे बच्चों के समकक्ष मानी जाती है। वे केवल देखकर और बार बार के अभ्यास से नई चीजें बहुत तेजी से सीख सकते हैं। यही मुख्य कारण था कि स्वीडन के इस अभूतपूर्व प्रयोग के लिए कौवों का चयन किया गया, क्योंकि किसी अन्य पक्षी के लिए इस प्रकार की जटिल पुरस्कार प्रणाली और कार्य के अंतर्संबंध को इतनी जल्दी सीख पाना अत्यंत कठिन होता।

इस प्रयोग की आवश्यकता और इसके आर्थिक महत्व को समझने के लिए स्वीडन के कचरा संबंधी आंकड़ों पर दृष्टि डालना आवश्यक है। स्वीडन की एक प्रमुख स्वच्छता संस्था के आधिकारिक प्रतिवेदनों के अनुसार, पूरे देश में हर साल लगभग एक बिलियन (भारतीय संख्या प्रणाली में 100 करोड़ : एक अरब) सिगरेट के टुकड़े सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर लापरवाही से फेंक दिए जाते हैं। यह संख्या अत्यंत डरावनी है क्योंकि यह देश में फैलने वाले कुल कचरे का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा है। यदि केवल सोडरटालिये शहर की बात की जाए, तो वहां का स्थानीय प्रशासन प्रतिवर्ष सड़कों और पार्कों की मैन्युअल सफाई पर लगभग 20 मिलियन (भारतीय संख्या प्रणाली में 2 करोड़) स्वीडिश क्रोना की विशाल धनराशि खर्च करता है। इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद छोटे छोटे कोनों से इस कचरे को पूरी तरह साफ करना असंभव हो जाता है। ऐसे में यह नवीन प्रयोग प्रशासन के लिए आर्थिक राहत और स्वच्छता की एक नई किरण बनकर उभरा। इस योजना से जुड़े विशेषज्ञों का दावा था कि यदि इस स्वचालित व्यवस्था को पूरे शहर में बड़े पैमाने पर लागू कर दिया जाए, तो सिगरेट के टुकड़ों को साफ करने की प्रशासनिक लागत में लगभग 70 से 75 प्रतिशत तक की भारी कमी लाई जा सकती है। इसका मुख्य कारण यह है कि कौवे इंसानी सफाईकर्मियों की तुलना में बहुत अधिक फुर्तीले होते हैं और वे उन संकरी नालियों, दीवारों की दरारों और छिपे हुए स्थानों तक चंद मिनटों में पहुंच सकते हैं जहां इंसानों को पहुंचने में घंटों का समय लग सकता है।

यद्यपि इस अनूठे प्रयोग को वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक सराहना मिली और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम माना गया, परंतु इसके साथ ही इस पर कई गंभीर सवाल और आपत्तियां भी दर्ज की गईं। अनेक पशु प्रेमियों, पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों ने कौवों के स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उनका तर्क था कि सिगरेट के इन टुकड़ों में अत्यधिक जहरीले हानिकारक तत्व और भारी धातुएं पाई जाती हैं। जब बेजुबान पक्षी इन अवशेषों को अपनी चोंच में दबाएंगे, तो वे विषैले तत्व उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे उनकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है और उनकी अकाल मृत्यु भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, इस प्रयोग के नैतिक पक्ष पर भी व्यापक बहस छिड़ गई। समाज के एक बड़े वर्ग का मानना था कि मनुष्यों द्वारा फैलाई गई गंदगी और लापरवाही का खामियाजा बेजुबान जीवों को क्यों भुगतना चाहिए। इंसानों के कचरे को साफ करने की जिम्मेदारी पक्षियों पर डालना नैतिक रूप से कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। विभिन्न मंचों और सामाजिक विमर्श में भी इस विषय पर तीखे मतभेद देखने को मिले, जहां कुछ लोगों ने इसे तकनीकी प्रगति कहा, तो वहीं दूसरों ने इसे बेजुबान पशु पक्षियों के अप्रत्यक्ष शोषण की संज्ञा दी।

इन तमाम विवादों और व्यावहारिक कठिनाइयों के बीच यह तथ्य भी सामने आया कि यह संपूर्ण परियोजना केवल एक प्रारंभिक और प्रायोगिक स्तर तक ही सीमित रही। इसे कभी भी सोडरटालिये शहर के बड़े हिस्सों या पूरे स्वीडन में पूर्ण रूप से लागू नहीं किया जा सका। कुछ स्वतंत्र प्रतिवेदनों में यह भी संकेत दिया गया कि स्थानीय नगर प्रशासन ने भविष्य में इस योजना को बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय या प्रशासनिक सहयोग जारी नहीं रखा। इसके बावजूद, इस प्रयोग ने दुनिया भर के विचारकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि किस प्रकार आधुनिक तकनीक और पशु व्यवहार विज्ञान के समन्वय से पर्यावरण की गंभीर चुनौतियों के नए विकल्प तलाशे जा सकते हैं। यह प्रयोग वैश्विक समाज के समक्ष एक अत्यंत चुभता हुआ और महत्वपूर्ण दार्शनिक प्रश्न भी छोड़ जाता है।

यदि हम अपनी वैज्ञानिक विधाओं के बल पर आकाश में उड़ने वाले कौवों को कचरा उठाकर एक निश्चित स्थान पर डालना सिखा सकते हैं, तो हम इंसानों को सड़कों पर कचरा न फैलाने की बुनियादी आदत क्यों नहीं सिखा पाते। वास्तव में इस पूरी समस्या की जड़ नगर प्रशासनों की कमी या उपकरणों का अभाव नहीं है, बल्कि स्वयं मनुष्यों की घोर लापरवाही और नागरिक चेतना का शून्य होना है। यदि प्रत्येक नागरिक सार्वजनिक स्थानों पर कचरा और सिगरेट के टुकड़े फेंकना बंद कर दे, तो हमें किसी भी शहर को साफ रखने के लिए बेजुबान पक्षियों या जटिल स्वचालित यंत्रों की सहायता लेने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। स्वीडन का यह प्रयोग मानव इतिहास में हमेशा एक ऐसी अनोखी मिसाल के रूप में याद किया जाएगा जिसने यह प्रमाणित किया कि प्रकृति का प्रत्येक जीव केवल मूकदर्शक नहीं है, बल्कि यदि मनुष्य अपनी हठधर्मिता छोड़े, तो वे हमारी कई समस्याओं के समाधान में हमारे सबसे बड़े सहयोगी बन सकते हैं।

महेन्द्र तिवारी

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियां क्यों नहीं थम रहीं?

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

नीट, सीयूईटी, यूपीएससी से लेकर राज्यों की शिक्षक भर्ती परीक्षाओं तक– हर साल कोई न कोई पेपर लीक, धांधली या तकनीकी गड़बड़ी की खबर आ ही जाती है। अब यहां यह सवाल उठता है कि करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ी इन परीक्षाओं को हम फूलप्रूफ क्यों नहीं बना पा रहे? हमारा सिस्टम इतना कमजोर क्यों है? इस समस्या की जड़ कहाँ है? पेपर सेटिंग से परीक्षा केंद्र तक लंबी चेन: प्रश्न-पत्र बनाने, छापने, ट्रांसपोर्ट करने और केंद्रों तक पहुँचाने में दर्जनों लोग शामिल होते हैं। चेन जितनी लंबी होगी, लीक का खतरा उतना ज्यादा होगा। अच्छा हो कि सरकार धीरे धीरे इन परीक्षाओं को भी आनलाइन कराने के प्रयास करें जिससे पेपर आउट की समस्या पर काबू पाया जा सके।

आउटसोर्सिंग पर अति-निर्भरता: भी इसका बहुत बड़ा कारण है। कई एजेंसियां परीक्षा का पूरा जिम्मा निजी कंपनियों को दे देती हैं। इससे निगरानी कमजोर पड़ते ही दलाल सक्रिय हो जाते हैं।

तकनीक का अधूरा इस्तेमाल : ऑनलाइन परीक्षा में सर्वर क्रैश, बायोमेट्रिक फेल और प्रॉक्सी कैंडिडेट के मामले लगातार सामने आते हैं। तकनीक है, पर उसकी ऑडिट नहीं। सजा का डर नहीं: पेपर लीक के मास्टरमाइंड अक्सर 2-3 साल में जमानत पर बाहर आ ही जाते हैं जब तक सख्त और तेज सजा नहीं मिलेगी, रिस्क-रिवॉर्ड का गणित गड़बड़ करने वालों के पक्ष में ही रहेगा। कुछ मामलों में हमारा कानून बहुत ही कमजोर है या सरकार अपना पक्ष ठीक ढंग से नहीं रख पाते और मुलजिम छूट जाता है। बड़ी आनलाइन परीक्षा कराने के लिए हमारे पास पर्याप्त सेंटर नहीं हैं, प्रायः हमें निजी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है और वहां भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण किस हाल में हैं इसका बहुत बड़ा प्रश्न उठता है।

अब सवाल यह उठता है कि बार-बार परीक्षा लीक होने से क्या असर किस पर पड़ता है? हम सिर्फ बोल देते हैं कि कोई बात नहीं परीक्षा दुबारा हो जाएगी। लेकिन दुबारा परीक्षा बहुत से बच्चों के लिए हानिकर बन जाती है। सबसे बड़ा नुकसान ईमानदार छात्रों का होता है। सालों की मेहनत, कोचिंग का खर्च, परिवार की उम्मीदें – सब एक रात में लीक हुए पेपर के साथ बह जाते हैं। बार-बार री-एग्जाम से मानसिक तनाव बढ़ता है और सिस्टम पर भरोसा टूटता है। इसका समाधान क्या हो सकता है? एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन: प्रश्न-पत्र डिजिटल लॉकर में रहें और एग्जाम हॉल में ही तय समय पर डिक्रिप्ट हों। प्रिंटिंग की जरूरत ही खत्म। सिंगल एजेंसी नहीं, मल्टी-लेयर वेरिफिकेशन: की प्रक्रिया को अपनाया जा सकता है पेपर सेटिंग, ट्रांसपोर्ट और पर्यवेक्षण तीन अलग-अलग स्वतंत्र एजेंसियों से कराया जाए। फास्ट-ट्रैक कोर्ट: पेपर लीक को संगठित अपराध मानकर 6 महीने में ट्रायल पूरा करने का कानून बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए संपत्ति जब्ती और आजीवन प्रतिबंध जैसे प्रावधान होने चाहिए। टेक्नोलॉजी + ह्यूमन इंटेलिजेंस:ढ्ढ से संदिग्ध पैटर्न पकड़ना, साथ ही हर जिले में खुफिया निगरानी यूनिट जो कोचिंग माफिया पर नजर रखनी पड़ेगी। परीक्षार्थी को मुआवजा: अगर लीक की वजह से री-एग्जाम हो तो छात्रों को यात्रा-भत्ता और मानसिक प्रताड़ना का मुआवजा मिले। जिम्मेदारी तय होगी तो लापरवाही घटेगी। परीक्षा सिर्फ सिलेबस की नहीं, सिस्टम की भी होती है। जब तक हम गड़बड़ी को 'चलता है' मानकर टालते रहेंगे, तब तक टॉपर की जगह दलाल तय करते रहेंगे कि कौन डॉक्टर बनेगा और कौन इंजीनियर। जरूरी है कि सरकारें इसे कानून-व्यवस्था का मसला मानें, शिक्षा का नहीं। क्योंकि यहाँ सवाल डिग्री का नहीं, देश के भरोसे का है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लीक होने के भय से कई प्रतियोगी परीक्षाओं के परीक्षा सेंटर लोकल से हटाकर दूरदराज के शहरों में डालना शुरू कर दिए हैं यह कोई हल नहीं है। हमें क्यों भय नहीं रहता कि यदि हम कुछ गड़बड़ी करेंगे तो उसका हमें बहुत बड़ा परिणाम भुगतना होगा। उत्तर प्रदेश में पिछले समय में PET परीक्षा स्थानीय केन्द्रों पर ही होती थी लेकिन दो बार प्रश्न-पत्र लीक होने और परीक्षा में नकल होने के कारण प्रदेश सरकार ने स्थानीय सेंटरों को दूरदराज के शहरों में डालना शुरू कर दिया। इस व्यवस्था से महिलाओं को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वह परीक्षा छोड़ तक देती हैं। पुलिस भर्ती परीक्षा के सेंटर भी दूरदराज के शहरों में पड़ने लगे हैं। सरकार केवल यह सोचती है कि क्या फर्क पड़ता है बच्चा यहां परीक्षा देता था वहां दे लेगा। लेकिन इससे बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या होती है आवागमन की कि हमारे पास कोई अतिरिक्त साधन नहीं हैं सभी को उन्हीं सरकारी साधनों से दूरदराज के शहरों में पहुंचना होता है जो प्रतिदिन भीड़ से भरे होकर चलते हैं। लेकिन हम अपने परीक्षा सिस्टम को फूलप्रूफ नहीं बना पा रहे हैं जिससे कि गड़बड़ी होने की संभावना कम हो।

चौरासी माल' से 'तराई' तक की रोचक कथा!

'नाम' की महिमा निराली है। 'नाम' को लेकर अनेक मत और मान्यताएं हैं। कुछ लोग कहते हैं नाम में क्या रक्खा है? जबकि कुछ लोगों के लिए 'नाम' की बहुत अहमियत होती है। कहा जाता है 'नामी रोए नाम को.....।' अधिकांश स्थान, गाँव, नगर -कस्बे और गली-मोहल्लों के नामों में वहाँ का राजनीतिक इतिहास, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक मान्यताएं एवं आर्थिक महत्व, भौगोलिक स्थिति और जलवायुगत विशेषताएं छिपी होती हैं। कतिपय स्थानों के नामों से संबंधित स्थान की विशेषताओं का बोध भी होता है। तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार स्थानों के नामों में बदलाव होता रहता है। नामांतरण की यह प्रक्रिया सतत जारी रहती है। इधर एकाध दशक से यह प्रक्रिया यकायक तेज हो गई है।

हालाँकि स्थानों के नामांतरण का यह सिलसिला सदियों पुराना है। इतिहास के प्रत्येक कालखंड में सत्ता में बदलाव के बाद क्षेत्र, शहर, नगर-कस्बों, सड़क-रास्तों और गाँवों के नाम और पहचान बदलती रही है। नाम के बदलाव के मामले में कुमाऊँ का तराई क्षेत्र और वहाँ के नगर-कस्बों का अपना दिलचस्प इतिहास रहा है। तराई के कई नगरों के नामों में कुमाऊँ के चंद राजवंश के राजाओं का इतिहास जुड़ा है। मौजूदा तराई क्षेत्र के नगर-कस्बों के पूर्व प्रचलित नामों के बहाने तराई क्षेत्र और वहाँ के नगरों के अतीत को बखूबी जाना और समझा जा सकता है।

आज से 236 साल पहले कुमाऊँ में देशज राजवंश चंद शासकों का राज था। 1565- 1597 के दौरान रुद्रचंद कुमाऊँ के राजा थे। राजा रुद्रचंद, सम्राट अकबर के समकालीन थे। तराई का क्षेत्र शारदा से पीली नदी तक चौरासी कोस लंबा था, इसलिए तब तराई को 'चौरासी माल' कहा जाता था। उस दौर में तराई क्षेत्र का भू-राजस्व नौ लाख रुपये निर्धारित था, इस वजह से तराई का दूसरा नाम 'नौलखिया माल' था। तराई से नौ लाख रुपये की आमदनी के चलते कुमाऊँ के तत्कालीन राजा को 'नौलखिया' राजा भी कहा जाता था। तब इस क्षेत्र को 'मलवारा' और 'माल' नाम से भी जाना जाता था।

कुमाऊँ 1790 में गोरखा सैनिक शासन के चुंगल

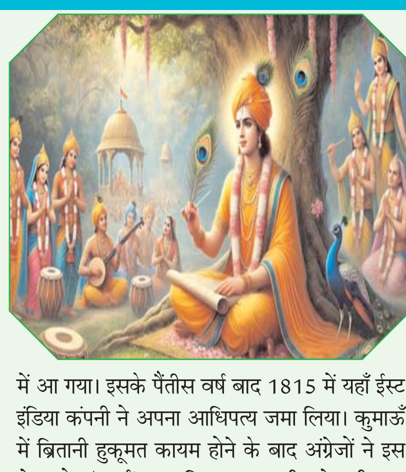

में आ गया। इसके पैंतीस वर्ष बाद 1815 में यहाँ ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपना आधिपत्य जमा लिया। कुमाऊँ में ब्रितानी हुकूमत कायम होने के बाद अंग्रेजों ने इस क्षेत्र को 'तराई' नाम दिया। आज भी इसे इसी नाम से जाना-पहचाना जाता है।

चंद वंश के शासनकाल में तराई क्षेत्र के गाँव, कस्बे एवं नगरों को दूसरे नामों से जाना जाता था। ब्रिटिश राज में भी कमोवेश पुराने नाम प्रचलन में रहे। ब्रिटिशकालीन दस्तावेजों में वर्तमान रुद्रपुर के पुराने नाम भूक्सी, भुक्सर और किलपुरी बताए गए हैं। चंद राजा रुद्रचंद ने 1588 में यहाँ एक नगर बसाया था, जिसे रुद्रपुर नाम दिया गया। चंद राजा रुद्रचंद के सूबेदार काशीनाथ अधिकारी ने 1639 में काशीपुर नगर की स्थापना की, सो इस नगर को काशीपुर के नाम से जाना गया।

काशीपुर का पुराना नाम 'कोटा' था। चंद राजा बाज बहादुर चंद ने (1638-1678) बाजपुर नगर बसाया, उन्हीं के नाम पर इस नगर का नाम बाजपुर पड़ा। इससे पहले इस क्षेत्र को 'मुंडिया' नाम से जाना जाता था। वर्तमान जसपुर का पुराना नाम 'सहजगढ़' था। गदरपुर का पुराना नाम 'गजरपुर' था। जबकि वर्तमान नानकमत्ता का पुराना नाम 'बख्शी' था। तराई की बेशकीमती जमीन को रोहिल्लों की बुरी नजर से बचाकर इसे पुनः आबाद करने और यहाँ कई नए नगर-कस्बे बसाने में चंद शासकों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। रुद्रपुर, बाजपुर और काशीपुर नगर, चंद कालीन शासकों की याद दिलाते हैं।

प्रयाग पाण्डे

मलमास की कहानी: क्यों है यह उत्तम?

लेखक: सचिन बाजपेई

जहाँ समय का 'मल' बन जाता है पुरुषोत्तम!

दोस्तों, कल्पना कीजिए - हिंदू पंचांग में हर तीन साल बाद एक अतिरिक्त महीना आता है। चंद्रमा और सूर्य की गति में थोड़ा फर्क पड़ता है, तो समय को संतुलित रखने के लिए यह 'अधिक मास' या मलमास प्रकट होता है।

पहले इसे 'मलमास' कहकर तिरस्कृत किया जाता था। मल का अर्थ गंदगी या विकार। कोई देवता इसका स्वामी बनना नहीं चाहता था। शुभ कार्य वर्जित, विवाह-मुंडन जैसे मांगलिक आयोजन रुक जाते थे। लोग इसे अपवित्र समझकर उपेक्षा करते थे। महीना दुखी, अकेला और निराश हो गया।

फिर आया वह दिव्य मोड़...

पौराणिक कथा (पद्म पुराण आदि ग्रंथों के अनुसार) कहती है कि यह मलमास वैकुंठ पहुँचा। भगवान विष्णु के चरणों में गिरकर अपनी व्यथा सुनाई - 'प्रभु, मुझे कोई अपना नहीं मानता, सब मुझे मल समझकर दूर करते हैं।'

दया के सागर श्रीहरि मुस्कुराए। बोले - 'संसार में मुझे पुरुषोत्तम कहते हैं। आज से तू भी **पुरुषोत्तम मास** कहलाएगा। मैं स्वयं तेरा स्वामी बनता हूँ। जो भी इस मास में निश्छल भक्ति, जप, तप, दान, कीर्तन और सत्कर्म करेगा, उसे मेरा विशेष आशीर्वाद मिलेगा। पुण्य हजार गुना बढ़ जाएगा।'

बस, तभी से मलमास पुरुषोत्तम मास बन गया!

वैज्ञानिक दृष्टि से यह चंद्र-सौर वर्ष को संतुलित करने का खगोलीय चमत्कार है। धार्मिक दृष्टि से यह भगवान की करुणा का प्रतीक है - जो उपेक्षित था, वह सबसे पावन हो गया।

आधुनिक जीवन में हम भी कई बार खुद को 'मलमास' जैसा अनुभव करते हैं - उपेक्षित, बेकार, अतिरिक्त। लेकिन पुरुषोत्तम मास हमें याद दिलाता है: भगवान की कृपा से हर 'मल' पवित्र बन सकता है।

मलमास नहीं, पुरुषोत्तम मास है यह - समय का उपहार, भक्ति का उत्सव! जय श्रीहरि!

दैनिक राशिफल

मेष राशि आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंग: लाल **शुभ अंक:** 9

वृषभ राशि आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। कार्यस्थल पर वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें और खानपान संतुलित रखें। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

मिथुन राशि आज आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी। मित्रों से मुलाकात हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी पुराने विवाद से बचने की कोशिश करें। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

कर्क राशि भावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील महसूस कर सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।
शुभ रंग: सिल्वर **शुभ अंक: 2**

सिंह राशि आज नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। व्यापार में लाभ और नौकरी में प्रशंसा मिल सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं। अहंकार से बचें। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ** अंक: 1

कन्या राशि नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा लेकिन थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ अंक:** 7

तुला राशि दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंग: गुलाबी **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक राशि आज साहस और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलने की संभावना है। गुस्से पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

धनु राशि भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए दिन शुभ है। **शुभ रंग:** पीला **शुभ अंक:** 3

मकर राशि कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मेहनत का फल धीरे-धीरे मिलेगा। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद लाभ देगा।
शुभ रंग: नीला **शुभ अंक:** 4

कुंभ राशि नई पहचान और संपर्क लाभदायक साबित होंगे। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।
शुभ रंग: बैंगनी **शुभ अंक:** 11

मीन राशि मन शांत रहेगा और रचनात्मकता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा का योग बन सकता है।
शुभ रंग: समुद्री हरा **शुभ अंक:** 12

आत्मविश्वास और धर्मशक्ति से ही बनता है समाज और राष्ट्र महान

मनुष्य के जीवन में सफलता का आधार केवल साधन और सुविधाएं नहीं होतीं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिन लोगों ने अपने आत्मविश्वास, परिश्रम और सही कार्यपद्धति को अपनाया, उन्होंने अभावों के बीच भी महान उपलब्धियां प्राप्त कीं। दूसरी ओर अनेक ऐसे लोग भी मिलते हैं जिनके पास पर्याप्त धन, संसाधन और अवसर होने के बावजूद वे जीवन में कोई विशेष उपलब्धि प्राप्त नहीं कर सके। इससे स्पष्ट हो जाता है कि जीवन में प्रगति का मूल आधार बाहरी साधन नहीं बल्कि व्यक्ति की आंतरिक शक्ति, सकारात्मक सोच और कर्मशीलता होती है। आज समाज में एक बड़ी समस्या यह दिखाई देती है कि अधिकांश लोग अपनी असफलताओं का कारण साधनों की कमी को मानते हैं। वे यह सोचकर निराश हो जाते हैं कि यदि उनके पास अधिक धन, अच्छी व्यवस्था या विशेष अवसर होते तो वे भी जीवन में आगे बढ़ सकते थे। यह सोच वास्तव में मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी है। अभावों को बहाना बनाकर बैठ जाना व्यक्ति के आत्मबल को समाप्त कर देता है। आलस्य और प्रमाद हमेशा किसी न किसी बहाने की तलाश में रहते हैं और साधनों का अभाव सबसे आसान बहाना बन जाता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति अपनी क्षमताओं का उपयोग ही नहीं कर पाता और धीरे-धीरे उसका व्यक्तित्व कुंठित होने लगता है।

यदि हम संसार के महान व्यक्तियों के जीवन का अध्ययन करें तो पाएंगे कि अधिकांश महान कार्य अभावों के बीच ही संपन्न हुए हैं। अनेक वैज्ञानिकों, साहित्यकारों, समाज सुधारकों और राष्ट्रनिर्माताओं ने कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए इतिहास रचा। उनके पास आधुनिक साधन नहीं थे, लेकिन उनके भीतर आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा थी। यही कारण है कि उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर दुनिया को नई दिशा दी। अभावों ने उनके भीतर संघर्ष की ज्वाला पैदा की और वही संघर्ष उनकी सफलता का आधार बना। मनुष्य के पास सबसे बड़ा साधन उसका मस्तिष्क और उसका शरीर है। यदि व्यक्ति का विचार स्वस्थ है और उसका संकल्प दृढ़ है तो वह सीमित संसाधनों में भी असाधारण कार्य कर सकता है। करोड़ों रुपये भी वह सफलता नहीं दिला सकते जो एक जागृत मस्तिष्क और आत्मविश्वासी व्यक्तित्व प्राप्त कर सकता है। जब व्यक्ति सही विधि से कार्य करता है, धैर्य और लगन के साथ आगे बढ़ता है, तब साधन स्वयं उसके मार्ग में आने लगते हैं। आत्मविश्वास मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। यह वह शक्ति है जो असंभव को संभव बना देती है।

वर्तमान समय में भारतीय समाज की एक बड़ी समस्या विचारों की विपन्नता भी है। लोग स्वयं पर विश्वास करने के बजाय परिस्थितियों को दोष देते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि परिस्थितियां कभी भी स्थायी नहीं होतीं। जो व्यक्ति कठिनाइयों के बीच संघर्ष करना सीख लेता है वही जीवन में स्थायी सफलता प्राप्त करता है। राष्ट्र का विकास भी तभी संभव है जब उसके नागरिक आत्मविश्वासी, परिश्रमी और सकारात्मक विचारों वाले हों। केवल सरकारों या व्यवस्थाओं से समाज का उत्थान नहीं हो सकता। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को

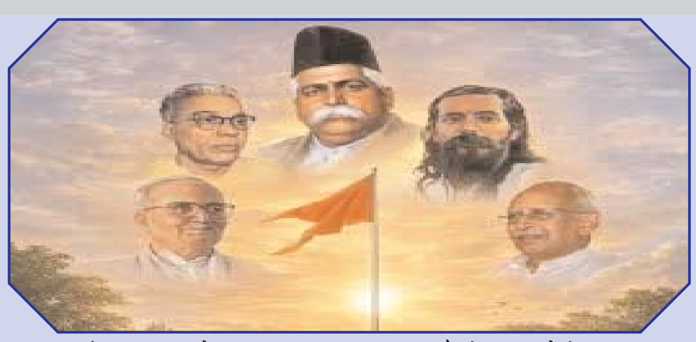

अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

इसी प्रकार समाज में बढ़ती अनैतिकता और चारित्रिक पतन के लिए भी केवल आधुनिक साधनों या संचार माध्यमों को दोष देना उचित नहीं है। यह सत्य है कि आज के समय में अनेक माध्यमों के द्वारा गलत प्रवृत्तियों का प्रसार होता है, लेकिन समाज का पतन केवल इन कारणों से नहीं होता। वास्तविक समस्या यह है कि समाज में धर्म और नैतिकता की शक्ति कमजोर होती जा रही है। धर्म केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड का नाम नहीं है। धर्म वह शक्ति है जो मनुष्य को सदाचार, संयम, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाती है।

जब समाज के सज्जन और धार्मिक लोग निष्क्रिय हो जाते हैं तब दुर्जनता स्वतः बढ़ने लगती है। अधर्म और पापाचार अपने आप में बहुत कमजोर तत्व होते हैं, लेकिन जब उनका विरोध करने वाले मौन हो जाते हैं तब वे समाज पर हावी होने लगते हैं। आज देश में लाखों साधु-संत और करोड़ों धार्मिक लोग हैं, किंतु समाज सुधार और धर्म विस्तार के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करने वालों की संख्या बहुत कम है। केवल मंदिरों में पूजा करना या परंपरागत कर्मकांड निभा लेना ही धर्म नहीं है। सच्चा धर्म वह है जो समाज में नैतिकता और मानवता की स्थापना करे।

धर्म का वास्तविक स्वरूप समाज के पीड़ित, भटके और दुर्व्यसनग्रस्त लोगों को सही मार्ग दिखाने में है। यदि कोई व्यक्ति नशे, अपराध या अनैतिक जीवन में फंस गया है तो उसे प्रेम, प्रेरणा और सद्विचारों के माध्यम से सुधारना ही धर्म का कार्य है। धर्म का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत मोक्ष नहीं बल्कि समाज का कल्याण भी है। जब धार्मिक लोग समाज के बीच जाकर सेवा और जागरण का कार्य करेंगे तभी अधर्म की शक्तियों को रोका जा सकेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रत्येक सज्जन व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे। यदि अच्छे लोग केवल अपने निजी जीवन तक सीमित रहेंगे और समाज की समस्याओं से दूर रहेंगे तो बुराइयों का बढ़ना स्वाभाविक है। अच्छाई को केवल विचारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए बल्कि उसे कर्म के रूप में समाज के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। जब सज्जन सक्रिय होंगे तब समाज में नैतिकता, सदाचार और अनुशासन का वातावरण बनेगा।

युवा पीढ़ी को विशेष रूप से यह समझने की आवश्यकता है कि सफलता का मार्ग बाहरी सुविधाओं से नहीं बल्कि आत्मबल और निरंतर प्रयास से बनता है। उन्हें अपने भीतर आत्मविश्वास विकसित करना होगा। साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को भी समझना होगा। केवल व्यक्तिगत सफलता ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि समाज के उत्थान में भी योगदान देना चाहिए। भारत की संस्कृति हमेशा से त्याग, परिश्रम और धर्मनिष्ठा की संस्कृति रही है। इसी संस्कृति ने इस देश को महान बनाया। आज आवश्यकता है कि हम फिर से उन्हीं मूल्यों को अपनाएं। यदि व्यक्ति आत्मविश्वास, परिश्रम और सदाचार को अपने जीवन का आधार बना ले तो न केवल उसका व्यक्तिगत जीवन सफल होगा बल्कि समाज और राष्ट्र भी शक्तिशाली बनेंगे।

अंततः यही कहा जा सकता है कि साधन और सुविधाएं जीवन में सहायक अवश्य हैं, लेकिन वे सफलता का मूल आधार नहीं हैं। सच्ची शक्ति मनुष्य के आत्मविश्वास, उसके विचारों और उसके कर्म में होती है। इसी प्रकार समाज की रक्षा केवल कानूनों और व्यवस्थाओं से नहीं हो सकती। इसके लिए सज्जनों और धार्मिक लोगों को सक्रिय होकर समाज में नैतिक जागरण फैलाना होगा। जब व्यक्ति आत्मबल से प्रेरित होकर समाजहित में कार्य करेगा तभी एक स्वस्थ, सशक्त और आदर्श राष्ट्र का निर्माण संभव होगा।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

महिलाओं से बोले राहुल गांधी, वोट चोरी, महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नेता प्रतिपक्ष व सांसद राहुल गांधी मंगलवार को कस्बे के एक गेस्ट हाउस में महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। राहुल गांधी ने महिलाओं से देश के मौजूदा हालात, महंगाई, बेरोजगारी और चुनाव व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वह महिलाओं से देश के बारे में बात करने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी वोट चोरी करती है। उन्होंने कहा कि पहले बीजेपी के लोग वोट चोरी करते थे लेकिन अब इलेक्शन कमिशन एसआईआर और ईवीएम के माध्यम से वोट चोरी कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले कर्नाटक और फिर हरियाणा में वोट चोरी पकड़ी थी। इसके बाद इलेक्शन कमिशन ने एसआईआर शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बंगाल और असम में वोट चोरी की गई। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को देश की बड़ी समस्या बताया।

महिलाओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों का भी उन्होंने जिक्र किया। राहुल गांधी ने महिलाओं की समस्याओं को सुनते हुए कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को लगातार उठा रही है। उन्होंने चुनाव में सहयोग के लिए महिलाओं का आभार भी जताया। कार्यक्रम के दौरान महिलाएं राहुल गांधी की बातें ध्यान से सुनती रहीं। इस दौरान कई महिलाओं ने अपनी समस्याएं भी रखीं। महिला संवाद कार्यक्रम से पहले पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह ने राहुल गांधी का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेत्री और सरेनी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी सुधा द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अमेठी सांसद केएल शर्मा , जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी, अमेठी एमएलसी दीपक सिंह, सुरेंद्र शर्मा, महेश प्रसाद शर्मा, अनूप बाजपेई, आकर्षक द्विवेदी सरिता गुप्ता, राजन मिश्रा, अजय सिंह, राजेश भदौरिया, कामता गौड़, दीपेंद्र गुप्ता, और कमल चौहान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल गांधी का यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

सांसद राहुल गांधी के कस्बा पहुंचने पर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह जगह उनका स्वागत किया। खीरों से लालगंज पहुंचने के दौरान उगाभाद, बृजेंद्र नगर, बेहटा चौराहा और गांधी चौराहा पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटी रही। गांधी चौराहा पहुंचने पर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को बुके भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में नारे भी लगाए। स्वागत करने वालों में जितेंद्र द्विवेदी, शिव प्रताप सिंह, गौरव सिंह, गौरव यादव, प्रशांत भदौरिया, विक्की भदौरिया, मो. जैनुल, मोहम्मद यासीन, आशीष त्रिवेदी, रामू गौरव, हर्षित और धीरज समेत बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मीडिया कर्मियों को अंदर जाने से रोका

महिला संवाद कार्यक्रम की कवरेज करने पहुंचे मीडिया कर्मियों को कार्यक्रम स्थल के अंदर नहीं जाने दिया गया। सुरक्षा में लगे अधिकारियों और कर्मियों ने मीडिया को हाल के बाहर ही रोक दिया। इसे लेकर मीडिया कर्मियों में नाराजगी दिखाई दी। कई पत्रकारों ने इसे कवरेज में बाधा बताया।

संक्षिप्त खबरें

सीतापुर में नजूल भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर सात मकान मालिकों को नोटिस जारी, खाली करनी होगी जमीन

सीतापुर। नियमों को ताक पर रखकर बेची और कब्जाई गई बट्सगंज खल्लर की जमीन अब मकान मालिकों के लिए गले गुड़ की हंसिया बन गई है। प्रशासन ने इस भूभाग को नजूल करार दिया है और सात लोगों को नोटिस किया है। इसमें तीन जून तक मालिकाना हक सिद्ध करने के लिए दस्तावेज देने को कहा है। नोटिस जारी होने के बाद लोग कानून की काट तलाशने में वकीलों के चक्कर काटने लगे हैं। करीब दो दशक लखनऊ में बाढ़ का हवाला देकर तत्कालीन सरकार ने सरायन नदी में शारदा नदी का छोड़े जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद बट्सगंज खल्लर की जमीन सोने की भाव बिकने लगी थी। तत्कालीन मंत्री के एक नजदीकी ने जमीन को बेचकर बड़ी रकम कमाई थी। इसके अलावा स्वयं भी जमीन कब्जाई थी और अपने रिश्तेदारों को उपहार में दी थी। जिलाधिकारी की ओर से नजूल जमीन को कब्जामुक्त कराए जाने को लेकर चल रही कवायद में पांसा पलट गया है। प्रशासन की जांच में यह जमीन नजूल की निकली है। ऐसे में प्रशासन की ओर से इखलाक अहमद, मुजीब अहमद, अहमद हुसैन व स्व. रघुवीर सरन के उत्तराधिकारी जदुनाथसरन, हनुमान, हिस्सेदार राधाकृष्ण, बब्बन को नोटिस जारी की है। नोटिस के अनुसार बट्सगंज में नजूल की भूमि पर अवैध निर्माण कराकर अवैध कब्जा किया गया है। इसी प्रकार खैराबाद के मुहल्ला छावनी कदीम में स्थित नजूल भूखंड संख्या 1692, 1693/1 एवं 1693/2 सरकारी संपत्ति हैं। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि इन भूखंडों के हिस्सों पर मूल उद्देश्य के विपरीत अवैध निर्माण कर लिया गया है, जोकि नजूल नियमों का उल्लंघन है।

जीजा ने साली पर चाकू से किया जानलेवा हमला, लखनऊ रेफर; हमले में पेट से आंते आई बाहर

क्राइम

श्रावस्ती जिले से रानीपुर इलाके में स्थित शादी समारोह में शामिल होने आई किशोरी पर उसके जीजा ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किया। हमले में उसकी आंते बाहर आ गई। गंभीर हालत में किशोरी को मेडिकल कालेज अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों ने हालत चिंताजनक देख उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। श्रावस्ती जिले की रहने वाली 17 वर्षीय अमीना अपने फूफा के घर आयोजित शादी में रानीपुर के चकुजोत आई थी। शादी में उसके बहनोई राशिद भी आए थे। अचानक वह किशोरी की ओर बढ़ने लगा, लोग कुछ समझ पाते उससे पहले हो उसने अमीना पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह हमलावर बहनोई से उसकी जान बचाई। हमले में किशोरी की आंते पेट से बाहर निकल आई। परिवारजन आनन फानन में उसे लेकर मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचे। मौके पर मौजूद चिकित्सक रामेंद्र त्रिपाठी ने प्राथमिक उपचार किया। हालत चिंताजनक देख उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिली है। मामले में सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गये है।

मलिहाबाद में राप्ती गंगा एक्सप्रेस से गिरकर यात्री की मौत, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में राप्ती गंगा एक्सप्रेस से गिरकर एक यात्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के सीतामढ़ी निवासी चंदन कुमार के रूप में हुई है। घटना मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से लगभग सात किलोमीटर आगे खंभा संख्या 1099/27 के पास हुई। मिली जानकारी के अनुसार चंदन कुमार अपने परिवार के साथ मुजफ्फरपुर से देहरादून जा रहे थे। यात्रा के दौरान वह ट्रेन के गेट पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गए। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन में और परिजनों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मृतक के पिता घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

चलती ट्रेन के गेट पर बैठकर यात्रा करना कितना खतरनाक हो सकता है, यह हादसा एक बार फिर उसकी गंभीरता को उजागर करता है। रेलवे और प्रशासन लगातार यात्रियों से सुरक्षित यात्रा की अपील करते रहे हैं, बावजूद इसके ऐसे हादसे सामने आते रहते हैं।

जे पी एस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में तीसरे बड़े मंगल का पावन दिवस व ग्रीष्म ऋतु का अवकाश बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली। गुरबक्श गंज स्थित जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में आज बड़े मंगल के पावन दिवस को व ग्रीष्म ऋतु की छुट्टियों को सभी बच्चों ने बड़े ही हर्षोल्लास व उत्साह से मनाया। विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला, प्रबन्धक मोहित शुक्ला, डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा बड़े मंगल के उपलक्ष्य में हनुमान जी की पूजा अर्चना करते हुए तथा बच्चों को प्रसाद वितरित करते हुए अत्यंत हर्ष के साथ मनाया गया। अध्यापकों द्वारा विद्यालय परिसर, कक्षाओं को विभिन्न प्रकार के मनमोहक गुब्बारों से, फूलों से सुसज्जित किया गया।विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने सभी बच्चों को बताया कि छुट्टियों में बच्चों को जो कुछ भी गृह कार्य व प्रोजेक्ट वर्क दिया गया है उसे वे खेल कूद के साथ साथ नियमित रूप से करते रहे,पढ़ते रहे इससे वे छुट्टियों में दिया गया कार्य भूलेंगे नहीं। छुट्टियों के बाद जब दोबारा स्कूल खुलेंगे तो बच्चों के इस कार्य को शिक्षक चेक करेंगे। उनका कहना है कि 19 मई को पढ़ाई के बाद 20 मई से स्कूल बंद होंगे। बच्चों को स्कूल शिक्षक की तरफ से प्रोजेक्ट दिया जाएगा, जिसे छुट्टियों में पूरा करना होगा। तथा सभी बच्चों को गर्मी की छुट्टियों का ढेर सारा आनंद लेने के लिए कहा। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु के इस अवकाश का आप सभी लोग भरपूर आनंद लीजिए, उन्होंने बच्चों को बाहर घूमने के लिए भी प्रेरित किया जिससे बच्चे नई जगहों पर जाएंगे और वहां से बहुत कुछ नया सीखेंगे। साथ ही दिए गए समर हॉलीडेज के होम वर्क पर भी ध्यान केंद्रित करने को कहा। सभी शिक्षिकाओं द्वारा विद्यालय में ग्रीष्म ऋतु को अत्यंत हर्ष व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं अमिता ,आस्था, आकृति ,हर्षिता , रेहा,सिमरन, दामिनी, भावना, किरन, नाजिया,रंजना, स्वाती तथा अन्य समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

भारतीय एकता युवा मोर्चा के तत्वाधान में किया गया तृतीय बड़े मंगल पर विशाल भंडारा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांक 19.05.2026 को भारतीय एकता युवा मोर्चा के तत्वाधान में पाल्म ग्रीन कालोनी, त्रिवेणीनगर नगर 3 आदर्श पुरम, सीतापुर रोड लखनऊ में समय दोपहर 1 बजे से ज्येष्ठ माह के तृतीय बड़े मंगल के उपलक्ष्य में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संरक्षक संजीव वर्मा, विशिष्ट अतिथि (संथापक) दीपक लाल श्रीवास्तव, गरिमामई उपस्तिथि के रूप में संगठन अध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव, राष्ट्रीय प्रभारी एवं आयोजक शरद श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष मयंक सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेंद्र तिवारी, मीडिया प्रभारी दीपक तिवारी, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष ममता मिश्रा, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रावत एवं समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित हुए।

शैक्षिक उन्नयन के लिए नई तकनीक जरूरी : उमेश द्विवेदी

● ऐहार स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में आयोजित हुई शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज। क्षेत्र के ऐहार स्थित श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक अवध क्षेत्र दिलीप द्विवेदी के संयोजन में शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनीन्द्र पांडे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि उमेश द्विवेदी ने अपने संबोधन में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा शिक्षा में नई क्रांति लाने के लिए आधुनिक तकनीक के समावेश पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षण प्रणाली में नवाचार आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला हैं और उनके सतत प्रयासों से ही शिक्षा का वास्तविक उन्नयन संभव है। शिक्षक विधायक ने कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए उनके दरवाजे सदैव खुले हैं तथा शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए वह हमेशा तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीन प्रयोगों और तकनीकी संसाधनों को अपनाने पर जोर दिया। गोष्ठी का संचालन कमलाकांत त्रिवेदी ने किया। अंत में संयोजक दिलीप द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नरेंद्र बहादुर सिंह बैसवारा इंटर कॉलेज, प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार, देदौर इंटर कॉलेज के प्रबंधक विजय कुमार चौधरी, वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र तिवारी, अजय त्रिपाठी, नागेंद्र बहादुर सिंह, लक्ष्मी रतन शुक्ला, भगवान कुमार अवस्थी, मनोज अवस्थी, चंद्र प्रकाश पांडेय, सुनील द्विवेदी, अतुल शुक्ला, रतन सिंह, सत्येश मिश्र, शैलेंद्र दीक्षित, अनुज अवस्थी, जितेंद्र मिश्रा, अनूप पांडेय, विजय बाजपेई, इंद्र कुमार दीक्षित, अतुल मिश्रा, जितेंद्र त्रिपाठी, संदीप बाजपेई, विनीत बाजपेई, राम प्रताप सिंह, राजेंद्र पांडेय, आलोक मिश्रा, अतुल बाजपेई, सुरेश मिश्रा, भीमसेन एवं मनीष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

काल्हीगांव में बड़े मंगलवार पर गूंजे हनुमान जयकारे,सुंदरकांड पाठ के बाद विशाल भंडारा

● भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

●काल्हीगांव में धार्मिक आयोजन बना सामाजिक समरसता का संदेश,ग्रामीणों ने मिलकर कराया भंडारा

●सुंदरकांड पाठ व भंडारे से भक्तिमय हुआ काल्हीगांव,ग्रामीणों की दिखी उत्साहपूर्ण भागीदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज(रायबरेली)। सरेनी विकास खंड अंतर्गत काल्हीगांव में ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगलवार के अवसर पर सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।सुबह से ही गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा और हनुमान जी के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।सुंदरकांड पाठ के उपरांत ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।आयोजन में महिलाओं,युवाओं और बुजुर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली,जिससे गांव में सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित हुआ।ग्राम प्रधान देश दीपक सोनी ने कहा कि बड़े मंगलवार पर आयोजित यह कार्यक्रम गांव की धार्मिक परंपरा का हिस्सा है,जिसमें सभी ग्रामीण मिलकर सहयोग करते हैं।ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द मजबूत होता है।रवि शंकर मिश्रा ने कहा कि सुंदरकांड पाठ और भंडारा केवल धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि गांव के लोगों को एक सूत्र में बांधने का माध्यम है।इससे युवाओं में भी धार्मिक संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।करुणा शंकर शुक्ला ने बताया कि बड़े मंगलवार पर आयोजित यह भंडारा वर्षों पुरानी परंपरा का हिस्सा है।ग्रामीणों के सहयोग और समर्पण से हर वर्ष यह आयोजन और अधिक भव्य होता जा रहा है।वहीं गोवर्धन अग्निहोत्री ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से गांव में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।सुंदरकांड पाठ से लोगों को मानसिक शांति मिलती है

और भंडारे के माध्यम से सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है।भंडारे में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि प्रभात सिंह त्रिलोकचंदी ने कहा कि काल्हीगांव हमेशा से सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में अग्रणी रहा है, जो क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है।इस अवसर पर कृष्ण कुमार अग्निहोत्री, गोवर्धन अग्निहोत्री, श्रीनारायण त्रिवेदी,सधन अग्निहोत्री, विजय शंकर शुक्ला, रमाकांत शुक्ला, पुतानी शुक्ला, गौरव शुक्ला, राजू वैद्य, उत्तम मिश्रा, अनोज मिश्रा, मोनू अग्निहोत्री, भोलू अग्निहोत्री, छोटू वैद्य, तूफान सिंह,लल्लू शुक्ला,सत्यम त्रिवेदी, पारस मिश्रा, गुड्डू मिश्रा, अशोक मिश्रा, शुभम मिश्रा, गुलशन त्रिवेदी, शुभ मिश्रा, दीप मिश्रा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

'उनकी बातों में नहीं उलझेंगे, नीट पर पूछेंगे सवाल', मुख्यमंत्री योगी के नमाज वाले बयान पर बोले अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सड़कों पर नमाज संबंधी बयान को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला बताया है। सपा प्रमुख ने कहा कि सड़कों पर नमाज कौन पढ़ रहा है? अगर जगह कम है और कोई पढ़ भी ले तो क्या फर्क पड़ता है? सड़कों पर क्या करना चाहिए, उसके लिए नियम बने हुए है, लेकिन इसकी पोलिटिकल स्कोरिंग नहीं करनी चाहिए। वे इसलिए ऐसे बयान दे रहे हैं कि मुद्दों पर बात न हो, परंतु हम उनकी बातों में नहीं उलझेंगे और नीट पर सवाल पूछेंगे। एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सबसे अधर्मी पार्टी है। हम सबको अपनाते हैं, सबको साथ लेकर चलते हैं, यही सनातन है। नीट परीक्षा को लीक परीक्षा लिख देना चाहिए। इस मामले में प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नीट पेपर लीक कर जवाब क्यों नहीं दिया?

भाजपा बहस को दूसरी तरफ मोड़ने के लिए अन्य मुद्दों में उलझाना चाहती है। विपक्ष के चेहरे के सवाल पर कहा कि मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार आदि सब भाजपा के खिलाफ विपक्ष का चेहरा है। गठबंधन के सवाल पर कहा कि गठबंधन मजबूत है। चुनाव में बात सीटों की नहीं जीत की होगी। सपा प्रमुख ने कहा कि जहां भाजपा खत्म होती है, वहीं से पीडीए शुरू होता है। उनके लिए पी का मतलब पार्टी है, हमारे लिए पी का मतलब पीड़ित है। सपा के पीडीए का मतलब प्रेम, दया अपनापन भी है। पीडीए ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है। विधानसभा चुनाव में पीडीए फिर भाजपा को हराएगा।

लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

लखनऊ। एलडीए ने मंगलवार को पीजीआई क्षेत्र में अभियान चलाकर किसान पथ के किनारे की जा रही अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया। मोहनलालगंज के हरकंशगढ़ी में अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किया गया। एलडीए प्रवर्तन जोन-दो की टीम ने यह कार्रवाई किया है। प्रवर्तन जोन-दो के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया, मोहम्मद दानिश, इरशाद अहमद अंसारी व अन्य पीजीआइ क्षेत्र के ग्राम-डलौना में किसान पथ के किनारे लगभग दो बीघे में प्लाटिंग करके अवैध कालोनी विकसित करा रहा था। एलडीए से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही उक्त अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करने का न्यायालय ने आदेश दिया था, जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा स्थल पर अभियान चलाकर अवैध विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया गया है। जोनल अधिकारी ने बताया कि अवधेश प्रताप सिंह व अन्य द्वारा मोहनलालगंज के हरकंशगढ़ी में किसान पथ के किनारे अवैध रूप से व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किये जा रहे उक्त अवैध निर्माण को सील कर दिया गया है।

यूपी में बनेंगे 173 नए ट्रॉमा सेंटर, मेरठ-कानपुर समेत कई जिलों बनेगा ट्रॉमा सेंटर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों पर नियंत्रण के लिए ट्रामा टास्क फोर्स की रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लेवल-वन श्रेणी के दस और लेवल-दो के 36 नए ट्रामा सेंटर बनाए जाएंगे। वहीं, वर्तमान में 34 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित लेवल-तीन के ट्रामा सेंटरों को अपग्रेड करते हुए संख्या बढ़ाकर 126 की जाएगी। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर (60 मिनट के अंदर) चिकित्सा देने के लिए 108, 112 और नेशनल हाइवे की एंबुलेंस सेवा 1033 को आपस में जोड़ा जाएगा। पूरे नेटवर्क की आनलाइन निगरानी के लिए लखनऊ में सेंट्रल कमांड सेंटर बनेगा, जहां से यह भी पता चल सकेगा कि दुर्घटना स्थल के पास कहां पर ट्रामा सेंटर है और किन केंद्रों में कितने बेड खाली हैं। उत्तर प्रदेश में हाइवे और एक्सप्रेसवे की संख्या बढ़ने एवं वाहनों की गति बढ़ने से दुर्घटनाओं की आशंका ज्यादा आंकी गई है। ब्लैक स्पाट भी चिन्हित कर जागरूकता कार्यक्रम किए गए, लेकिन मौत के आंकड़े अब भी डराते हैं। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत मरीजों को सबसे पास के अस्पताल में भर्ती कर जल्द इलाज देने पर फोकस करते हुए पूरा कार्यक्रम बनाया गया। तीन हजार निजी अस्पतालों को भी नेटवर्क से जोड़ने की योजना है, जहां मानकों की जांच की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को संचालित करने वाली एजेंसी साचीज को दी गई है।

शास्त्रीभवन में 18 मई को अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, डीआइजी-112 अरविंद कुमार, साचीज (स्टेट एजेंसी फार कंप्रीहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज) की सीइओ अर्चना वर्मा, निदेशक सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डा. सीमा समेत कई विभागों के अधिकारियों की बैठक में कार्ययोजना का पूरा रोडमैप बना, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा गया है। एक सप्ताह में कैबिनेट में पेश करने का लक्ष्य है। प्रदेश में लेवल-एक श्रेणी का 500 बेडों का अकेला सेंटर केजीएमयू में है।

अब पीजीआई, राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के साथ ही मेरठ, कानपुर, आगरा, प्रयागराज, झांसी, गोरखपुर समेत दस सरकारी मेडिकल कालेजों में भी 100-100 बेडों का लेवल-एक का ट्रामा सेंटर संचालित होगा। यहां एक ही छत के नीचे एमआरआइ, सीटी स्कैन समेत सभी प्रकार की जांच एवं न्यूरो, आर्थो समेत जटिल सर्जरी की सुविधाएं होंगी। माड्यूलर ओटी, आधुनिक आइसीयू एवं एडवांस स्ट्रक्चर वाले उपकरण होंगे, जिससे सिर या गर्दन में इंजरी वाले मरीज को बेड पर उठाने बिठाने पर घायल अंग पर जोर न पड़े। 36

आटोनामस मेडिकल कालेजों में भी सौ-सौ बेडों का ट्रामा सेंटर संचालित किया जाएगा। वर्तमान में 34 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 30 बेडों का लेवल-तीन का ट्रामा सेंटर चल रहा है। अब यह व्यवस्था 126 सीएचसी तक उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत नजदीकी निजी अस्पतालों में दुर्घटना के मरीजों के इलाज के लिए प्रति सप्ताह एक लाख रुपये का भुगतान शुरू कर दिया गया है। शीघ्र ही इसका पूरा नोटिफिकेशन जारी होगा।

सीतापुर के नैमिषारण्य धाम में गुटखा-तंबाकू और प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध

●सीतापुर के नैमिषारण्य-मिश्रिख क्षेत्र में जिलाधिकारी ने सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। यह निर्णय धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने और श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए लिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। धर्मनगरी नैमिषारण्य-मिश्रिख क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डा. राजागणपति आर की ओर से महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत नैमिषारण्य में मंदिर परिसर और उसके चारों ओर 500 मीटर की परिधि में सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों तथा सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री के उपयोग, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। क्षेत्र में पालीथिन, प्लास्टिक गिलास, प्लेट, बोतल और अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री के प्रयोग पर भी रोक रहेगी। धार्मिक स्थल की गरिमा बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए यह निर्णय लिया गया है। नगर पालिका परिषद को विशेष सफाई अभियान चलाकर प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला सूचना विभाग को दुकानदारों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई है।

गठित होगी संयुक्त टीम

व्यवस्था के संचालन के लिए एक संयुक्त टीम गठित की गई है। इस टीम में उप जिलाधिकारी मिश्रिख की अध्यक्षता में पुलिस विभाग, नगर निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारी शामिल रहेंगे। यह टीम नियमित अभियान चलाकर प्रतिबंधित वस्तुओं की बिक्री और उपयोग पर निगरानी रखेगी। क्षेत्राधिकारी पुलिस मिश्रिख, थाना प्रभारी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मिश्रिख-नैमिषारण्य को नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख स्थानों पर चेतावनी बोर्ड और सूचना पट्ट भी लगाए जाएंगे, जिनमें प्रतिबंध एवं कार्रवाईयों को लिखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के विभिन्न स्थानों के साथ दुल्लभछड़ा में भी उत्साह और उमंग के साथ शहीद स्मरण

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में 19 मई भाषा शहीद दिवस के अवसर पर श्रीभूमि जिले के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ दुल्लभछड़ा में भी प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष उत्साह और उमंग के साथ शहीदों का स्मरण किया गया। दुल्लभछड़ा जीपी रोड स्थित स्थायी शहीद वेदी पर इस अवसर पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण के माध्यम से भाषा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में सरस्वती विद्यानीकेतन स्कूल के आचार्य-आचार्या, शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। विद्यानीकेतन की ओर से शहीदों के प्रति विशेष मंत्रोच्चारण के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर दुल्लभछड़ा सीवीपी हायर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक प्रदीप दास भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपनी स्वरचित दो कविताओं का पाठ किया तथा भाषा शहीद दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संबोधन दिया। अपने संबोधन में उन्होंने नई पीढ़ी से मातृभाषा सहित सभी भाषाओं के प्रति सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया।

दिल्ली पुलिस का ऐतिहासिक रिकॉर्ड, झपटमारी के मामले में महज 14 दिनों के भीतर आरोपी को सजा

दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले की पुलिस ने झपटमारी के एक मामले में महज 14 दिनों के भीतर आरोपित को सजा दिलाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। पुलिस द्वारा चार दिन में जांच कर चार्जशीट दाखिल करने के बाद न्यायालय ने ट्रायल की कार्यवाही पूरी की और ट्रायल शुरू होने के 10वें दिन आरोपित को दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया। फास्ट ट्रैक ट्रायल के जरिए पुलिस ने यह साबित किया है कि नए आपराधिक कानूनों के तहत अब अपराध और सजा के बीच की दूरी तेजी से कम हो रही है। बाहरी उत्तरी जिले के उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के मुताबिक, मामला शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता नई दिल्ली के एक होटल में अकाउंटेंट के तौर पर कार्यरत है। एक मई की रात करीब 9:45 बजे वह शाहबाद डेरी बस स्टैंड पर खड़े थे। इसी दौरान उसने पानी खरीदने के लिए अपना पर्स निकाला। तभी पीछे से आए एक युवक ने उसका पर्स झपट लिया और भागने लगा। पीड़ित ने आरोपित का पीछा किया और करीब 100 मीटर दूर सेक्टर-28 रोहिणी के पास उसे पकड़ लिया। आरोपित ने पर्स लौटाने से इनकार कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने पीसीआर को सूचना दी। सूचना मिलने पर आइओ एएसआइ दीपक मौके पर पहुंचे और आरोपित को चोरी किए गए पर्स समेत गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान शाहदाब दौलतपुर के रविंदर के रूप में हुई। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) और 317(2) के तहत एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मात्र तीन दिनों में जांच पूरी कर ली और घटना के चौथे दिन यानी छह मई को अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। रोहिणी कोर्ट में भारती बेनीवाल की अदालत ने मामले की सुनवाई रोजाना आधार पर की। ट्रायल शुरू होने के 10वें दिन अदालत ने आरोपित को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

युवक को जिंदा जलाने के आरोप में पत्नी-सास गिरफ्तार

दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आ रहा है। यहां एक शख्स जिसे कथित तौर पर उसकी पत्नी और सास ने जिंदा जला दिया था, उसकी मौत हो गई है। वहीं इस मामले में उत्तर-पश्चिमी जिला की पुलिस ने आरोपी मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उन्हें 18 मई को शाम 4.49 से 4.50 के बीच महेंद्रपार्क पुलिस स्टेशन पर एक पीसीआर कॉल मिली। जानकारी मिलते ही एसएचओ पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और दीपांश चौधरी नामक शख्स को झुलसी हुई अवस्था में पाया। फिर तत्काल उसे बीजेआरएम अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच विवाद होते रहते थे। इसे लेकर सीएडब्ल्यू सेल में शिकायत भी कराई जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि हादसे वाले दिन एक बहस के बाद दीपांश ने खुदकुशी की धमकी दी थी और बाद में पत्नी के घर के बाहर खुद को आग लगा लगी। मामले में जांच चारी है और वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

'रहमान' बनी 'राम' गली....आखिर पाकिस्तान क्यों बदल रहा लाहौर की सड़कों के नाम?

● पाकिस्तान में 1947 के बाद पहली बार लाहौर की सड़कों के नाम इस्लामी पहचान से बदलकर पुराने हिंदू, सिख और औपनिवेशिक नामों पर रखे जा रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। 1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि लाहौर की सड़कों की पहचान बदल दी गई है। पाकिस्तान में केवल इन सड़कों की पहचान ही नहीं बदली, बल्कि यहां की सड़कों का इस्लामी तमगा हटाकर पुराने हिंदू, सिख, जैन और औपनिवेशिक नामों की चादर उढ़ा दी गई है। पाकिस्तान में 'इस्लामपुरा' के आधिकारिक साइनबोर्ड पर 'कृष्णा नगर' लिख गया है। 'रहमान गली' को 'राम गली' कहा जाने लगा है और 'बाबरी मस्जिद चौक' का नाम बदलकर फिर से 'जैन मंदिर चौक' कर दिया गया है। पाकिस्तान में जगहों के नाम में इतने बड़े फेर-बदल के बाद अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस्लामाबाद में आजादी के इतने साल बाद ये फैसला क्यों लिया गया। आइए इसके पीछे की वजह जानते हैं।

पाकिस्तान में क्यों बदले गए सड़कों के नाम?

पाकिस्तान में पिछले दो महीनों में करीब नौ जगहों के नाम बदले जा चुके हैं और कई अन्य जगहें भी अपनी पुरानी शान वापस पाने के लिए तैयार हैं। लाहौर में नाम बदलने का यह अभियान पाकिस्तान की पंजाब सरकार के एक बहुत बड़े प्रोजेक्ट 'लाहौर हेरिटेज एरिया रिवाइवल' (LHAR) का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद देश की सांस्कृतिक राजधानी को उसके बंटवारे से पहले वाली विरासत के रूप में फिर से जिंदा करना है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का यह एक महत्वाकांक्षी ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसकी लागत 50 अरब पाकिस्तानी रुपया है। इसका मकसद दशकों की अनदेखी, बेतरतीब शहरीकरण और वैचारिक रूप से इतिहास को बदलने की कोशिशों के बाद शहर की वास्तुकला और सांस्कृतिक ताने-बाने को फिर से संवारना है।

नवाज शरीफ के कदमों पर चल रहीं मरियम

पाकिस्तान पंजाब प्रांत की इस समय मुख्यमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज हैं। इन नामों को बदलने की शुरुआत वे 2025 से ही कर चुकी हैं। अपने पिता के ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए मरियम सड़कों के नाम बदलकर ऐतिहासिक विरासत को वापस लाना चाहती हैं। पंजाब सरकार का तर्क है कि यूरोपीय देशों की तरह, पाकिस्तान को भी अपने शहरों की ऐतिहासिक विरासत को मिटाने के बजाय उसे सहेजकर रखना चाहिए। इस पहल का एक मुख्य मकसद विरासत पर्यटन को बढ़ावा देना है, जिससे सरकार के लिए राजस्व भी पैदा हो सके।

नाम बदलने के पीछे का असली कारण

भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद से ही पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं और सिखों की दुर्दशा एक गंभीर चिंता का विषय रही है। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान से हिंदू और सिखों के साथ उत्पीड़न, जबरन धर्मांतरण, उनकी संपत्तियों पर कब्जा और ऐतिहासिक मंदिरों को ढहाने जैसी कई घटनाएं सामने आती रही हैं। वहीं अब मरियम नवाज के फैसले के बाद हैरानी की बात यह भी है कि दशकों से इस्लामीकरण की प्रक्रिया से बने इस देश में, नाम बदलने का यह अभियान बिना किसी विरोध के आगे बढ़ रहा है। इसके पीछे का कारण ये देखा जा सकता है कि पुराने नामों को बहाल करके पाकिस्तान वैश्विक समुदाय विशेष रूप से पश्चिमी देशों को यह दिखाना चाहता है कि वह अपनी 'कट्टरपंथी छवि' को छोड़कर एक सहिष्णु, समावेशी और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है, जिससे उसे कूटनीतिक और आर्थिक सहायता प्राप्त करने में आसानी हो।

पाकिस्तान कर रहा छवि बदलने की कोशिश

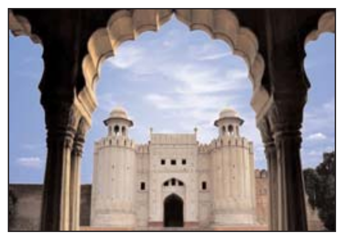

आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोपों को लेकर पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय जांच के घेरे में रहा है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। लाहौर जैसे प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र में औपनिवेशिक काल के नामों को बहाल करके, इन जगहों को पुराने हिंदू और सिख समुदाय से जुड़े नाम देकर पाकिस्तान अपनी एक अलग ऐसी छवि बनाना चाहता है जिससे यह लगे कि वह उग्रवाद को पीछे छोड़ रहा है। पाकिस्तान की पंजाब सरकार का यह कदम इनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) या अन्य वैश्विक संस्थानों को उस पर फिर से कड़े प्रतिबंध लगाने से रोकना भी माना जा सकता है। इस्लामाबाद अपने अस्तित्व के लिए पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बेलआउट पैकेज पर भी निर्भर है। IMF न केवल आर्थिक आंकड़ों की जांच करता है, बल्कि किसी देश की राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक माहौल पर भी पैनी नजर रखता है। पाकिस्तान में नाम बदलने का यह दिखावा विदेशी निवेशकों और ढ्रस्प्न को भी यह भरोसा दिला सकता है कि यह देश निवेश के लिए एक सुरक्षित जगह है और ढ्रस्प्न के लिए यहां निवेश करना कोई गलती नहीं होगी।

मुश्किल में फंसी मुंबई इंडियंस की परेशानियों में हुआ इजाफा, दो खिलाड़ी अचानक हुए बाहर

● आईपीएल-2026 में खराब प्रदर्शन कर प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली मुंबई इंडियंस को सीजन के अंत में दो झटके लगे हैं। उसके दो खिलाड़ी बाहर हो गए हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल-2026 अच्छा नहीं रहा है। टीम ने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन बाद में लगातार हार ने उसका अभियान पटरी पर से उतार दिया। अब जब सीजन खत्म होने को है तो उसकी परेशानियों में इजाफा हुआ है। टीम के दो खिलाड़ी चोटिल होकर बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। मुंबई को अभी अपने दो मैच और खेलने हैं। उसकी कोशिश होगी कि वह इन दोनों मैचों को जीत सीजन का अंत जीत के साथ करे। मुंबई के 12 मैचों में चार जीत और आठ हार के बाद आठ अंक हैं।

ये दो खिलाड़ी हुए बाहर

मुंबई को अपना अगला मैच 20 मई को ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है। वहीं आखिरी मैच अपने घर वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है। इन दोनों मैचों में मुंबई के क्विंटन डिकॉक और राज अंगद बावा उपलब्ध नहीं होंगे। दोनों चोट के कारण बाकी बचे सीजन से बाहर हो गए हैं। मुंबई ने बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। बयान में बताया गया है कि डिकॉक बाईं कलाई में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। ये चोट उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पहले लगी थी। राज अंगद बावा को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में दाएं अंगूठे में चोट लग गई थी और इसी कारण वह बाकी बचे मैच नहीं खेलेंगे।

घर पर रहेंगे दोनों

बयान में बताया गया है कि दोनों ही खिलाड़ी अपने घरों पर रहकर फिटनेस में सुधार करेंगे और इस दौरान मुंबई इंडियंस की टीम की निगरानी में रहेंगे। मुंबई ने बयान में कहा, 'डिकॉक और बावा दोनों दोनों अपने रिहैब अपने घर पर करेंगे। इस दौरान दोनों को मंबई इंडियंस की मेडिकल टीम का सपोर्ट मिलता रहेगा ताकि वह जल्द से जल्द फिट हो सकें। '

उमर खालिद को बड़ा झटका, दिल्ली कोर्ट ने खारिज की अंतरिम जमानत याचिका

दिल्ली। साल 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने के आरोप में यूएपीए के तहत बीते 6 साल से अधिक समय से जेल में बंद उमर खालिद को आज दिल्ली की एक अदालत से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उमर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए उसे राहत देने से इनकार कर दिया है। उमर ने अपने अंकल के चेहल्लुम के लिए और मां की सर्जरी के लिए 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। एएसजे समीर बाजपेयी ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, उमर खालिद और अन्य आरोपियों को पहले कई मामलों में अंतरिम जमानत मिली है और उन्होंने नियमों का उल्लंघन भी नहीं किया है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि जब भी ये लोग जमानत मांगें हर मौके पर इन्हें बेल दी ही जाए। खालिद ने 15 दिन की बेल अपने अंकल के चेहल्लुम और मां की प्री और पोस्ट मेडिकल सर्जरी के वक्त देखभाल के लिए मांगा है, जो 2 जून को होनी है।

अदालत ने कहा, अंकल के चेहल्लुम में शामिल होना इतना जरूरी नहीं है और अगर उनका रिश्ता बहुत पास का और खास होता तो शायद उमर ने उनके मौत के वक्त ही जमानत मांगी होती न कि इतने दिन बाद। मां की सर्जरी पर अदालत ने कहा, खालिद की अन्य बहने और पिता भी हैं जो उनकी मां का ख्याल रख सकते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के 9 किमी खंड का जून में PM मोदी करेंगे उद्घाटन, डेढ़ घंटे का सफर 25 मिनट में होगा पूरा

● केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक 9 किलोमीटर बचे हिस्से का काम पूरा हो गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के नौ किलोमीटर बचे हिस्से का भी काम पूरा हो गया है। अगले 20 दिनों में भार परीक्षण का भी काम कर लिया जाएगा। यह दावा मंगलवार को एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करने के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की। उन्होंने बताया कि इसके लोकार्पण के लिए पीएमओ को प्रपोजल भेजा जाएगा। उम्मीद है कि जून के दूसरे सप्ताह में इसे जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

एक साल में जुड़ जाएंगे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और जेवर एयरपोर्ट

वर्ष 2015 में जब मोदी जी की सरकार आई, तब दिल्ली को जाम मुक्त करने का प्लान बनाया। ईज आफ मोबिलिटी और पॉल्यूशन फ्री करने का उद्देश्य था। इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है। कई योजनाएं पूरी हो गई, कई परियोजनाओं पर इस वर्ष अंत तक काम शुरू हो जाएगा। कुछ के डीपीआर जल्द फाइनल होने वाले हैं। एक

साल में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे जेवर एयरपोर्ट से स्पर के जरिये जुड़ जाएगा।

25 मिनट में पूरी होगी नोएडा से फरीदाबाद की दूरी

निर्माणाधीन फरीदाबाद-जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की लंबाई 32 किमी है। यह फरीदाबाद को सीधे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ेगा। इसका नौ किमी उत्तर प्रदेश की सीमा में है और 23 किमी हरियाणा की सीमा में है। सेक्टर-65 की तरफ से इसे आठ किमी एलिवेटेड बनाया जा रहा है, ताकि शहर का मास्टर प्लान प्रभावित न हो। यूपी की सीमा में इसे एयरपोर्ट से लेकर हरियाणा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे तक सितंबर, 2026 और इसके आगे फरीदाबाद सेक्टर-65 तक के हिस्से का निर्माण कार्य जनवरी, 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अभी फरीदाबाद से जेवर जाने के लिए करीब 40 किमी का सफर करना पड़ता है, इसमें करीब सवा से डेढ़ घंटा का समय लगता है। यह रास्ता यमुना नदी पर बने मोहना पुल से होकर जाता है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनने के बाद नोएडा एयरपोर्ट पहुंचने में सिर्फ 25 मिनट लगेंगे।

बर्थडे पर रेड प्रिंसेस बनीं टीवी की नायरा, शिवांगी जोशी ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरे

● टेलिविजन एक्ट्रेस शिवांगी जोशी को उनके फैंस ये रिश्ता क्या कहलाता है की नायरा के नाम से जानते हैं. उनके फैंस उन्हें बहुत पसंद करते हैं और उनकी एक झलक के लिए बेकरार रहते हैं. हालही में एक्ट्रेस का बर्थडे था और उन्होंने कुछ तस्वीरे शेयर की हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक्ट्रेस शिवांगी जोशी टीवी इंडस्ट्री के सबसे जाने माने नामों में से एक हैं. एक्ट्रेस ने अपने करियर में वैसे तो कई शोज में काम किया है, लेकिन सबसे ज्यादा उनको ये रिश्ता क्या कहलाता है कि नायरा के रोल के लिए जाना जाता है। शिवांगी न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बल्कि वो एक कमाल की डांसर भी हैं. एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम पर कई वीडियोज भी पोस्ट करती हैं. इसी बीच, एक्ट्रेस ने अपने बर्थडे की

कुछ झलकियां फैंस के लिए शेयर कीं। शिवांगी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की. एक्ट्रेस ने धूमधाम से अपना बर्थडे मनाया. शिवांगी ने बर्थडे पर एक क्यूट सी चेरी रेड कलर की हॉल्टर नेक ड्रेस पहनी है।

उनके बालों को पीछे की तरफ एक सिंपल और क्लीन जूड़े या पोनीटेल में बांधा गया है, जिससे उनका चेहरा और ड्रेस का हाल्टर-नेक डिजाइन पूरी तरह से हाइलाइट हो रहा है. शिवांगी इस लुक में किसी प्रिंसेस जैसी लग रही हैं। डायमंड स्टड्स के साथ शिवांगी ने अपना ये बर्थडे गर्ल लुक पूरा करा है. साथ ही शिवांगी ने एक हैप्पी बर्थडे वाला टियारा भी पहना है. उनका मेकअप काफी नेचुरल और ग्लोइंग है. इसमें न्यूड लिपस्टिक, हल्का ब्लश और डिफाइन की हुई आइब्रो शामिल हैं। शिवांगी इंडस्ट्री की सबसे बड़ी और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं. शिवांगी 18 मई 1998 में दहरादून में हुआ था. शिवांगी एक ट्रेंड डांसर और ताइक्वांडो में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने साल 2013 में 'खेलती है जिंदगी आंख मिचोली' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वो 'बेगूसराय' सीरियल में पूनम ठाकुर के किरदार में नजर आई, जहां उनके काम को काफी सराहा गया था।

दिल्ली में तीन दिन हड़ताल पर रहेंगे ऑटोवाले, टैक्सी और ट्रांसपोर्टर

दिल्ली। ईंधन के साथ-साथ दूध-ब्रेड जैसी जरूरत की चीजों की मूल्य वृद्धि के बीच अब दिल्ली के लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल दिल्ली के ट्रांसपोर्टरों और ऑटो चालकों ने विभिन्न मांगों के साथ किराया वृद्धि की मांग को लेकर 21 से 23 तक हड़ताल की चेतावनी दी है। ट्रांसपोर्टर जहां व्यावसायिक वाहनों से हरित शुल्क वसूलने, प्रदूषण का हवाला देकर दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध जैसे मामलों का हवाला देकर तीन दिनों तक चक्काजाम की चेतावनी दी है। वहीं, ऑटो चालक सीएनजी दाम में बढ़ोतरी के बाद किराया बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट संगठन का यह आह्वान हैं। जिसमें कई व्यावसायिक वाहन, सवारी वाहन, ऑटो, टैक्सी समेत अन्य संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। बताया जा रहा है कि इस हड़ताल में ओला-उबर जैसे कैब बेस्ड सर्विस का भी एक धड़ा हड़ताल पर रहेगा।

बेटी पैदा होने से नाराज पिता ने डेढ़ माह बाद दिल्ली के रिठाला नाले में मरने के लिए फेंका

● रोहिणी पुलिस ने एक डेढ़ महीने की बच्ची को उसके पिता के चंगुल से बचाया, जिसने बेटी के जन्म से नाराज होकर उसे रिठाला नाले में फेंक दिया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली की रोहिणी पुलिस ने एक डेढ़ महीने की बच्ची को उसका दुश्मन बन चुके पिता के चंगुल से छुड़ाया है। सबको हैरान कर देने वाला यह मामला बेटी के पैदा होने के बाद मन में आई नाराजगी से उपजा है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि बेटी का अपहरण कर पिता ने उस अबोध को रिठाला नाले में फेंक दिया था। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के रोहिणी इलाके में पिता द्वारा नाली में फेंक दी गई डेढ़ महीने की नवजात बालिका को पुलिस ने बचाया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि शिकायत मिलने के मात्र तीन घंटे के अंदर बच्ची का पता लगा लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी सज्जन कुमार (20 वर्ष) को बेटी के जन्म से नाराजगी थी और उसने बच्ची को मारने का फैसला कर लिया। पुलिस ने आरोपी सज्जन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 17 मई को बुद्ध विहार पुलिस स्टेशन में एक नन्ही बच्ची के अपहरण की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए मिली थी। बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि उसका पति सुबह-सुबह बच्ची को लेकर चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पति को बेटी के जन्म से नाराजगी थी। इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्जकर जांच शुरू कर दी गई। पूछताछ के दौरान सज्जन कुमार ने कबूल किया कि उसने रिठाला इलाके की नाली में बच्ची को फेंक दिया था। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही नाली और आसपास के इलाके में तलाश अभियान चलाया गया और रिपोर्ट मिलने के तीन घंटे के अंदर ही बच्ची को बरामद कर लिया गया। बच्ची को तुरंत डॉ. बीएसए अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बाद में उसे उसकी मां के हवाले कर दिया गया।

असम विश्वविद्यालय में 'भाषा शहीद दिवस' पर 11 शहीदों को श्रद्धांजलि

● सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गूंजा परिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम विश्वविद्यालय, सिलचर में 19 मई को 'भाषा शहीद दिवस' के अवसर पर 1961 के भाषा आंदोलन के 11 शहीदों को गहरी श्रद्धा के साथ याद किया गया। इस अवसर पर पूरे दिन विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और शहीद मीनार सहित स्मारक स्थलों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सुबह से ही परिसर का वातावरण भावुक और श्रद्धामय बना रहा। मुख्य पुष्पांजलि कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंथ, रजिस्ट्रार डॉ. प्रदोष किरण नाथ, डीन अकादमिक्स प्रो. चिररंजन भट्टाचार्य, आयोजन समिति के संयोजक प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य, डीएसडब्ल्यू प्रो. बरुणज्योति चौधरी, प्रॉक्टर प्रो. प्रदीप्त दास सहित विभिन्न स्कूलों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके बाद बंगला विभाग के सामने स्थित शहीद वेदी पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। विश्वविद्यालय के स्वप्ना देवी स्मृति सदन में आयोजित मुख्य परिचर्चा सभा की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंथ ने की। स्वागत भाषण में प्रो. देवाशीष भट्टाचार्य ने कहा कि 19 मई का आंदोलन

केवल भाषा रक्षा का नहीं, बल्कि बहुसांस्कृतिकता और बहुभाषिकता की स्थापना का भी संघर्ष था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इसी आंदोलन की चेतना से बराक घाटी में केंद्रीय विश्वविद्यालय की मांग एक जनआंदोलन के रूप में विकसित हुई। सभा में शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. अमित कुमार दास, अनटिया प्रतिनिधि बॉबी डिमासा तथा प्रो. शांति पोखरेल ने भी अपने विचार रखे। प्रो. शांति पोखरेल ने नेपाली समुदाय की पहचान से जुड़े मुद्दों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि भाषा एवं संस्कृति के लिए संघर्ष की परंपरा आज भी नई पीढ़ी को प्रेरित करती है। मुख्य वक्तव्य में समाजशास्त्री प्रो. जयदीप विश्वास ने 19 मई के भाषा आंदोलन के ऐतिहासिक संदर्भों और उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस चेतना को केवल स्मरण सभाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे लोककथाओं, सांस्कृतिक अभ्यासों और सामूहिक स्मृतियों के माध्यम से जीवित रखना आवश्यक है। उन्होंने यह

भी कहा कि इतिहास का मूल्यांकन भावनाओं के बजाय सही ऐतिहासिक संदर्भों में किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि असम विश्वविद्यालय तथाकथित 'असम आंदोलन' का परिणाम नहीं है, बल्कि बराक घाटी में दशकों तक चले शैक्षिक और जनआंदोलनों तथा संगठनों की सतत मांगों का परिणाम है।

साथ ही उन्होंने वर्तमान समय में भाषायी और धार्मिक पहचान के बीच बढ़ते तनाव और सामाजिक निष्क्रियता पर भी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. बरुणज्योति चौधरी ने किया, जबकि डॉ. जयश्री डे ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। छात्रसंघ के महासचिव ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का सांस्कृतिक भाग विशेष आकर्षण रहा, जिसमें परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग के विद्यार्थियों, सुरसंगम संगीत विद्यालय और नटराज नृत्य एवं संगीत विद्यालय के कलाकारों ने रवींद्र संगीत, वायलिन वादन और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

न्यू अशोक नगर थाने के मालखाने में भीषण आग, 84 वाहन जलकर खाक

● पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर थाने के मालखाने में भीषण आग लग गई, जिसमें करीब 84 वाहन जलकर खाक हो गए। दमकल की पांच गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। राजधानी में पारा चढ़ता जा रहा है। इस भीषण गर्मी में वाहनों में आग लगने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को पारा 44 डिग्री पार था। मंगलवार दोपहर को न्यू अशोक नगर थाने के आवासीय परिसर में बने मालखाने में खड़े वाहनों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते पूरा मालखाने को आग ने अपने आगोश में ले लिया। थाने से चंद कदमों की दूरी पर ही पेट्रोलपंप बना हुआ है। आग का धुंआ काफी दूर से आसमान में नजर आ रहा था। थाने के पुलिसकर्मियों ने अग्निशामक यंत्र और परिसर में लगे ओवरहेड पानी के टैंक के पानी का इस्तेमाल किया। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग में करीब 84 वाहन जलकर खाक हो गए। इसमें अधिकतर क्रेस प्रापर्टी वाहन थे। पुलिस व दमकल के आग के सही कारणों के बारे में बता नहीं सकी है। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे थाने के मालखाने में आग लगी थी। पुलिस ने बताया कि मालखाने के पास ही आवासीय परिसर में रहने वाले कर्मचारी भी अपने वाहन खड़े करते हैं। मालखाने में खड़े कुछ वाहनों से धुंआ उठते हुए पुलिसकर्मियों ने देखा। वह उस आग को

बुझा पाते इतने में वाहनों से आग की लपटे निकलने लगी। आवासीय परिसर में रहने वाले लोगों ने आनन फानन अपने वाहनों को हटाने में लगे। इसके बाद भी परिसर में रहने वाले वाले कर्मचारियों की चार कार आग की चपेट में आ गई। मालखाने में करीब 80 वाहन जलकर राख हो गए। आग इतनी भीषण थी कि आसपास के क्षेत्र में धुआं फैल गया। गनीमत रही आग पेट्रोलपंप तक नहीं पहुंची। वहां आग पहुंचने पर अधिक नुकसान हो सकता था।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर भीषण टक्कर; बारातियों से भरे ट्रक और कंटेनर का एक्सीडेंट

पालघर- ANCH पालघर जिले के धानीवारी इलाके में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। साखरपुड़े के कार्यक्रम में जा रहे बारातियों से भरे आयशर ट्रक की कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आयशर ट्रक और कंटेनर दोनों सड़क पर पलट गए। बताया जा रहा है कि ट्रक में 100 से ज्यादा बाराती सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। अब तक चार से पांच लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है, जबकि 20 से 25 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। सभी घायलों को इलाज के लिए कासा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।